टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

गंगावतरणम्
GANGAVATARANAM

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की गृह पत्रिका

जनवरी-जून, 2020

THDCIL *Celebrates*

33rd Foundation Day

"Lockdown Diaries"
विशेषांक

जीतेगा भारत-हारेगा कोरोना

संपादकीय

प्रिय पाठकों,

हमारे बीच हो रहे रचनात्मक संवाद की इस नवीन श्रृंखला में गंगावतरणम् का वर्तमान अंक आप सभी के सम्मुख प्रस्तुत है । आप सभी पाठकों से निरंतर मिल रहा प्रोत्साहन व प्रशंसा ही संपादक का एकमात्र प्रेरणा स्रोत है। आज संपूर्ण मानव समाज COVID-19 वैश्विक महामारी का जो दंश झेल रहा है, उससे कोई भी अनभिज्ञ नहीं है। यही कारण है कि इस बार गंगावतरणम् का अंक तिमाही न होकर अर्धवार्षिक अंक के रूप में प्रकाशित किया गया है।

वर्तमान अंक को "Lockdown Diaries" नामक विशेषांक के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। यह संपादक मंडल का संगठित प्रयास रहा है कि इस Lockdown के दौरान कारपोरेशन द्वारा CSR के माध्यम से किए गए कार्यों और टीएचडीसीआईएल परिवार के सदस्यों के विचारों को लेख आदि के माध्यम से पाठकों के समक्ष प्रस्तुत किया जाए। "COVID-19 से लड़ने में CSR funding एक सही कदम" को इस अंक की Cover Story चुना गया है।

इस बात में कोई संदेह नहीं है कि Lockdown के दौरान Social Media मानवीय संवाद के एक प्रबल माध्यम के रूप में उभरा है, जिसने Social Distancing के कारण जनमानस के बीच पैदा हुई वास्तविक दूरी को कम करने में अहम भूमिका निभाई है। कॉरपोरेट संचार विभाग ने इस बीच टीएचडीसीआईएल का LinkedIn Profile भी प्रारंभ किया है, आशा है कि आप सभी इस नए माध्यम से अधिक से अधिक संख्या में जुड़ेंगे और कारपोरेशन के प्रचार–प्रसार में सहयोग करेंगे ।

इसके अतिरिक्त कारपोरेशन का स्थापना दिवस, सुझाव मेला, ICPSU Table Tennis Tournament जैसी समसामयिक गतिविधियों को भी प्रमुखता से स्थान दिया गया है। आशा है पत्रिका का यह तात्कालिक "Lockdown Diaries" नामक विशेषांक आप सभी को रुचिकर व ज्ञानवर्धक लगेगा। आप सभी से अनुरोध है कि पत्रिका में सुधार व नवाचार हेतु अपने सुझाव हमें निरंतर प्रदान करते रहें।

"If you want to shine like a sun... first burn like a sun..."

-Dr. A.P.J. Abdul Kalam

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
संपादक

मुख्य संरक्षक

श्री डी.वी. सिंह
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संरक्षक

श्री विजय गोयल
निदेशक (कार्मिक)

संपादक

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
उप महाप्रबंधक
(कार्मिक–नीति, भर्ती व जनसंपर्क)

उप संपादक
(प्रबंधन संवाद)
गौरव कुमार
प्रबंधक (जनसंपर्क)

उप संपादक
(सामग्री (हिंदी) व प्रकाशन)
अनामिका बुडाकोटी
उप प्रबंधक (जनसंपर्क)

विशिष्ट सहयोग

श्री पंकज कुमार शर्मा
वरिष्ठ हिंदी अधिकारी

समन्वयक

ऋषिकेश
जे.एल. भारती
ज.सं. अधिकारी

टिहरी
मनवीर नेगी
उप प्रबंधक (ज. सं.)

कोटेश्वर
आर.डी. ममगाई
उप प्रबंधक (ज.सं.)

पीपलकोटी
ए.एल. संतोष कुमार
प्रबंधक (कार्मिक)

कौशाम्बी
बी.एस. चौहान
ज.सं. अधिकारी

खुर्जा
संजीव नौटियाल
उप प्रबंधक (कार्मिक)

दुकवां
नेलसन लकड़ा
वरि. प्रबंधक (कार्मिक)

निदेशक (कार्मिक) की कलम से...

प्रिय साथियों,

पिछले कई वर्षों से गंगावतरणम् के माध्यम से आप सभी से नियमित रूप से संवाद होता रहता है परन्तु, वर्तमान समय कुछ भिन्न व कुछ विशिष्ट है, जैसा न हमने कभी सोचा न कभी देखा। लॉकडाउन के समय मुझे भी अपने कार्यालय की व्यस्तता से हटकर कुछ समय आत्मावलोकन के लिए मिला। इसी अनुभव का सदुपयोग करते हुए आप सभी से समरसता के साथ संवाद स्थापित करने का एक प्रयास कर रहा हूं ।

कोविड–19 वैश्विक महामारी के रूप में जो विकराल चुनौती आज हम सभी के समक्ष खड़ी है, उसने हमारे आस–पास बहुत कुछ बदल दिया है।

गंगावतरणम् पत्रिका की ही बात करें तो लॉकडाउन के कारण पत्रिका का यह अंक त्रैमासिक न होकर अर्धवार्षिक (जनवरी–जून, 2020) अंक के रूप में प्रकाशित होने जा रहा हैं ।

उल्लेखनीय है कि नव गठित Social Media Centre के तत्वावधान में 21–22 अप्रैल, 2020 तक ऋषिकेश में "Role of Social Media in CSR Branding" विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मलेन प्रस्तावित था, जिसे कोविड–19 संक्रमण के खतरे को देखते हुए अस्थाई रूप से स्थगित कर दिया गया है। मुझे आशा है कि स्थिति सामान्य होते ही हम इसका सफल आयोजन कर सकेंगे। इससे Corporate Brand Enhancement में सहायता मिलेगी।

यदि हम चर्चा के फलक को और व्यापक करें और इसे मानव संसाधन विकास के परिदृश्य से देखें, तब भी अनेक नवाचार देखने को मिलते हैं। "Work from home", "Paperless Work Culture" तथा "e-office" जैसे concepts वर्तमान समय की माँग बन चुके हैं। इस दौरान सामने आए कई अध्ययनों में इस बात की प्रमाणिकता पर बल दिया गया है कि जहां Work from home से employee productivity पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है वहीं Work from home से employee stress और engagement level को नकारात्मक रूप से प्रभावित भी किया है। इस तरह के ज्वलंत विषयों पर गहन विचार–विमर्श की आवश्यकता है। आप सभी से अनुरोध है कि इसका अध्ययन करें व उचित माध्यम से अपने विचार साझा करें।

कारपोरेट संचार विभाग अपनी कार्यप्रणाली में नवाचार के माध्यम से नित नए प्रयोग करता रहता है, इसी क्रम में सोशल मीडिया के प्रभावी संचालन के लिए LinkedIn Business Profile को प्रारंभ किया गया है। मेरी ओर से इसके लिए बधाई।

विगत छह महीनों में कई महत्वपूर्ण गतिविधियां घटित हुई हैं जैसे कोटेश्वर में नव निर्मित भवन "नवरंग" का 11 जनवरी, 2020 को उद्घाटन, हमारी टिहरी परियोजना को "CBIP Award for Best Performing Utility in Hydro Sector" से सम्मानित किया गया, यह हमारे लिए गौरव की बात है। साथ ही निगम ने 22वीं ICPSU Table Tennis Tournament का 25 से 28 फरवरी, 2020 तक ऋषिकेश में सफल आयोजन किया। 05 मार्च को होलिकोत्सव के अवसर पर ऋषिकेश में "रंग बरसे हास्य कवि सम्मेलन" भी आयोजित किया गया। इन सभी गतिविधियों को पत्रिका में प्रमुखता से जगह दी गई है।

हमारी कारपोरेशन के अधिकारी व कर्मचारी निगम के बाहर भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर कारपोरेशन का नाम रोशन करते रहते हैं।

इसी क्रम में मुझे यह ज्ञात हुआ है कि Design Innovation Centre, IIT Roorkee द्वारा Innovation Challenge CoVID Scape नामक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें **प्रबंधक (जनसंपर्क) गौरव कुमार, उप प्रबंधक–राहुल जोशी, सिद्धार्थ कौशिक, तनुज सिंह राणा व अपूर्व कुमार,** जो कि IIM Kashipur से कंपनी प्रायोजित MBA कर रहे हैं, इनकी टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। इस प्रतियोगिता में IIT Roorkee समेत कुल 97 टीमों ने भाग लिया था, जिसमें National Institute of Design, Kurukshetra को प्रथम तथा Pantnagar University, Uttarakhand को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है। सभी टीम सदस्यों को मेरा आशीर्वाद और स्नेह।

वहीं Power HR Forum द्वारा आयोजित Q4E 2019 प्रतियोगिता में टीएचडीसीआईएल की टीम विजयी रही जिसमें **आशीष पाठक, वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी, टिहरी, प्रशांत चौधरी व प्रियंका वर्मा, वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी, ऋषिकेश** सदस्य थे। विजेताओं को मेरी ओर से बधाई। यह हमारे लिए गौरव की बात है।

मुझे आशा है कि आप सभी को पत्रिका का नवीन अंक पसंद आएगा ।

> "Literature elevates mind"
>
> –Dr. A.P.J. Abdul Kalam

Happy Reading!

(विजय गोयल)
निदेशक (कार्मिक)

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का स्थापना दिवस संदेश

प्रिय साथियों, देवियों व प्यारे बच्चों,

सर्वप्रथम टीएचडीसीआईएल परिवार के समस्त सदस्यों को 33वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

सशक्त वर्तमान ही सक्षम भविष्य की आधारशिला रखता है। कोविड–19 वैश्विक महामारी के रूप में सम्पूर्ण विश्व आज एक अप्रत्याशित चुनौती का सामना कर रहा है, हमारा देश भारत और हमारी कॉरपोरेशन भी इससे अछूती नहीं है। इस चुनौती ने जीवन के प्रति हमारे दृष्टिकोण को काफी हद तक बदला है और हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी का यह कथन बिल्कुल सही प्रतीत होता है कि लॉकडाउन ने हम सभी को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया है। विषम परिस्थितियां अपने साथ संभावनाएं भी लाती हैं जो भविष्य में सफलता का मार्ग प्रशस्त करती हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में माननीय प्रधानमंत्री जी ने **"आत्मनिर्भर भारत", "वोकल फॉर लोकल"** आदि जैसे तार्किक व व्यावसायिक विषयों की ओर राष्ट्र का ध्यानाकर्षित किया है।

कोविड–19 वैश्विक महामारी के संक्रमण की रोकथाम के मद्देनजर भारत सरकार द्वारा देश में विभिन्न चरणों का लॉकडाउन लागू किया। लॉकडाउन को सफल बनाने में भारतीय विद्युत क्षेत्र का विशेष योगदान रहा। सुचारू और निर्बाध विद्युत आपूर्ति ने गर्मियों के इस मौसम में लोगों को घरों के अंदर रखने में काफी अहम् भूमिका निभायी। साथ ही माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा द्वितीय लॉकडाउन के दौरान 5 अप्रैल को सायंकाल **"9 बजे, 9 मिनट"** के ब्लैक आउट का आह्वान किया गया था। ब्लैक आउट के आरम्भ में अचानक विद्युत मांग की कमी एवं इसकी समाप्ति पर अचानक विद्युत मांग की अधिकता के कारण ग्रिड की स्टेबिलिटी के लिए खतरा हो सकता था, किन्तु भारतीय विद्युत क्षेत्र के इंजीनियरों की सजगता और समेकित प्रयासों के कारण ब्लैक आउट के दौरान मांग में आयी 32000 मेगावाट की तात्कालिक कमी को बिना किसी समस्या के सफलतापूर्वक संपन्न कराया जा सका। इस ब्लैक आउट को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में टिहरी व कोटेश्वर जैसी reservoir based जलविद्युत परियोजनाओं का विशेष योगदान रहा। ब्लैक आउट को सफल बनाने में विशेषतः हाइड्रो पॉवर के इस योगदान की माननीय विद्युत राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) द्वारा भी सोशल मीडिया पर भूरि–भूरि सराहना की गयी, क्योंकि इतने कम समय में ramp up और ramp down करने की क्षमता मात्र हाइड्रो पॉवर प्लांट्स में ही निहित है।

जैसे–जैसे हमारा देश अनलॉक की प्रक्रिया की ओर अग्रसर हो रहा है वैसे–वैसे व्यक्तिगत स्वच्छता का ध्यान रखना, Social and Physical Distancing का पालन करना, दैनिक जीवन में मास्क व सैनिटाईजर का उपयोग करना और भी अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। मेरी आप सबसे यही अपील है कि एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपनी भूमिका निभाएं और अनलॉक की प्रक्रिया के दौरान संक्रमण के रोकथाम हेतु उक्त आवश्यक प्रयासों का और अधिक कड़ाई से पालन करें तथा साथ ही नित्य जीवन में और अधिक सावधानियां बरतकर सपरिवार स्वस्थ रहें।

लॉकडाउन के दौरान कोविड–19 के खिलाफ संघर्ष में हमारी कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) इकाइयों द्वारा भी स्थानीय प्रशासन के मार्गदर्शन में मुख्यालय तथा सभी परियोजना स्थलों पर जरूरतमंदों को आवश्यक मदद पहुंचाई गई। इन प्रयासों की सभी स्थलों पर स्थानीय प्रशासन द्वारा प्रशंसा की गई है। कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत कोविड–19 के खिलाफ संघर्ष में भारत सरकार की अपील पर टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड द्वारा ₹10 करोड़ का योगदान पीएम केयर्स फंड एवं ₹2 करोड़ की धनराशि उत्तराखंड सरकार को योगदान के रूप में दी गई है। इस नेक कार्य में अपनी सहभागिता दर्शाते हुए सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने भी PM Cares Fund तथा मुख्यमंत्री राहत कोष में अपने एक–एक दिन के वेतन का अंशदान दिया है, इस योगदान के लिए मैं टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों का धन्यवाद ज्ञापित करता हूं।

"विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता...समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता..." के अपने ध्येय को चरितार्थ करते हुए हम देश के विद्युत उत्पादन में अपना योगदान निरंतर बढ़ा रहे हैं, वर्तमान में भारतीय विद्युत परिदृश्य में ढुकवां लघु जल विद्युत परियोजना (24 MW) की सफलतापूर्वक कमीशनिंग के साथ हमारा कुल योगदान 1513 MW से बढ़कर 1537 MW का हो गया है ।

इन विषम परिस्थितियों में हमारे Generating Plants पर कार्यरत O&M कर्मियों तथा Essential Service Providers के परिश्रम व सेवा भाव से हम देश को आवश्यकतानुसार विद्युत आपूर्ति कर पा रहे हैं तथा सरकार द्वारा जनहित में जारी विभिन्न आदेशों व निर्देशों का अनुपालन भी करवा पा रहे हैं। यह बहुत ही सराहनीय तथा हम सभी के लिए गौरव की बात है। टिहरी एचपीपी व कोटेश्वर एचईपी से विगत वर्षों की भांति ही आशानुकूल उत्पादन करते हुए वित्तीय वर्ष 2019–20 में क्रमशः 3042 MU व 1203 MU विद्युत का उत्पादन किया। साथ ही चालू वित्तीय वर्ष की प्रथम तिमाही में भी लॉकडाउन के बावजूद इन सयंत्रों से क्रमशः 743 MU व 358 MU विद्युत का उत्पादन किया गया, जो इस अवधि के लक्ष्यों से काफी अधिक है। ढुकवां लघु जल विद्युत परियोजना से भी उत्पादन आरम्भ करते हुए वित्तीय वर्ष 2020–21 की प्रथम तिमाही में 7.81 MU का उत्पादन हो चुका है। पाटन व द्वारका, गुजरात स्थित पवन ऊर्जा संयंत्रों से वित्तीय वर्ष 2019–20 में excellent रेटिंग हेतु 255 MU के लक्ष्य के सापेक्ष 281.9 MU का उत्पादन किया गया। इस प्रकार सभी generating units में कार्यरत सभी अधिकारियों व कर्मचारियों के प्रयासों के फलस्वरूप वित्तीय वर्ष 2019–20 में very good रेटिंग का लक्ष्य प्राप्त करते हुए 4500 MU के लक्ष्य के सापेक्ष 4527 MU का उत्पादन किया है।

लॉकडाउन के कारण हमें कई गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा और पड़ रहा है, परन्तु फिर भी हम टिहरी पीएसपी (1000 MW) और विष्णुगाड़ पीपलकोटी (444 MW) परियोजनाओं के कार्य को गतिशील बनाये रखने में सफल रहे हैं। हां, इन परियोजनाओं में कार्य प्रगति आशानुकूल न होना चिंता का विषय है जिसका निदान करने के प्रयास जारी है।

खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट (1320 MW) के कुल 08 पैकेज में से 03 पैकेज अवार्ड किए जा चुके हैं, 05 पैकेजों पर टेंडरिंग का कार्य प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त परियोजना से संबंधित रेलवे साईडिंग के दो पैकेजों की price bid भी खोली जा चुकी हैं। शीघ्र ही ये दोनों पैकेज भी अवार्ड कर दिए जाएंगे। अवार्ड किए जा चुके 3 पैकेजों हेतु चयनित निर्माण ऐजेंसियों ने steam generator, turbine generator व स्विच यार्ड पैकेजों के प्रारंभिक कार्य आरम्भ कर दिए हैं। कोविड–19 के संक्रमण की रोकथाम के मद्देनजर लागू किए गए लॉकडाउन के बाद कार्य धीरे–धीरे वांछित प्रगति की ओर अग्रसर हो रहा है। इस ऊर्जा संयंत्र से उत्पादित विद्युत के transmission हेतु खुर्जा संयंत्र से PGCIL के अलीगढ़ सब–स्टेशन तक 400 KV डबल सर्किट लाइन के विकास हेतु THDCIL व PGCIL के मध्य समझौता ज्ञापन 26 जून को हस्ताक्षरित किया गया।

केरल में सौर ऊर्जा विकास का जो कार्य हमें सौंपा गया है उसके अंतर्गत कासरगॉड में 50 MW के सौर ऊर्जा संयंत्र के कार्य में सराहनीय प्रगति हुई है। कोविड–19 वैश्विक महामारी के कारण उत्पन्न हुए व्यवधान व विलम्ब के बावजूद इस सोलर प्लांट की कमीशनिंग के साथ ही हम वित्त वर्ष 2020–21 में installed capacity में 50 मेगावाट की वृद्धि हेतु आशान्वित हैं।

भारत सरकार की सोलर पालिसी 2019 के तहत महत्वाकांक्षी सोलर पार्क स्कीम के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में 2000 MW क्षमता के अल्ट्रा मेगा सोलर पार्क को विकसित करने की जिम्मेदारी टीएचडीसीआईएल को सौंपी गयी है। स्थापना दिवस के इस शुभअवसर पर आप सभी से यह समाचार साझा करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है कि इस क्रम में आगे बढ़ते हुए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इस सोलर पार्क के विकास हेतु टीएचडीसीआईएल व उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीनीकरण ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) के संयुक्त उपक्रम के गठन की अनुमति प्रदान कर दी गयी है। शीघ्र ही इस संयुक्त उपक्रम के गठन हेतु यूपीनेडा के साथ MoU हस्ताक्षरित किया जाएगा। अल्ट्रा मेगा सोलर पार्क को शीघ्र विकसित करने की उपलब्धि निगम के भविष्य में एक मील का पत्थर साबित होगी।

भारतीय विद्युत परिदृश्य में भविष्य में कई बदलाव होने की संभावना है, New Tariff Policy तथा Electricity Act 2020 का मसौदा सार्वजनिक रूप में सकारात्मक सुझावों के लिए उपलब्ध है। आप सभी से अनुरोध है कि इसका अध्ययन करें तथा उचित माध्यम से अपने सार्थक विचार साझा करें। Electricity Act 2020 के प्रस्तावित प्रावधानों के तहत सम्भवतः हाइड्रो पॉवर डेवलपमेंट को पुनः पुनर्जीवित करने में मदद मिलेगी, साथ ही इस ऐक्ट के तहत संस्थापित किए जाने वाले Electricity Contract Enforcement Authority की स्थापना के बाद निश्चित ही पावर सेल, परचेज, ट्रांसमिशन तथा टैरिफ से संबंधित अनुबंधों से संबंधित विवादों का शीघ्र निपटारा होने के कारण विद्युत परिदृश्य में सकारात्मक सुधार दिखाई देंगे।

आप सभी के कठिन परिश्रम व निरंतर मिल रहे सहयोग के कारण ही हमारी कॉरपोरेशन सफलता के नित नए आयामों को छू पा रही है। मैं स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी से अपने कार्यस्थल पर अपना सर्वोत्तम देने की अपील करता हूँ, इस समेकित प्रयासों से ही हम भविष्य के प्रतिस्पर्धात्मक युग में अपना अस्तित्व व वर्चस्व कायम रख पाएंगे।

People's President डा ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के यह विचार हम सभी के लिए प्रेरणादायक है :– "Dream, Dream, Dream…Your dreams will transform into thoughts. Thoughts will lead to honest work. Work will result in actions and you will succeed."

एक बार पुनः आप सभी को स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं ।

स्वस्थ रहें... सुरक्षित रहें ...
जय हिंद ! जय भारत

(डी.वी.सिंह)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

CBIP Award for Best Performing Utility conferred to Tehri HPP

Sh. D.V. Singh, CMD, THDCIL, receiving the award along with Sh. R.K. Vishnoi D(T) and other officials

Tehri HPP has been conferred with"**CBIP award for Best Performing Utility in Hydro Power Sector"** by CBIP (Central Board for Irrigation and Power) on 19.02.2020.Hon'ble MoS (Water Resources),Govt. of India Sh. R.L. Kataria gave away the award to Sh. D. V. Singh, CMD, THDCIL. Sh. R.K. Vishnoi, Director (Technical) along with Sh.Muhar Mani, ED, Sh. U.C. Kannaujia, GM-NCR and Sh. Sajeev. R. GM (O&M), Tehri were also present in a glittering award ceremony held at SCOPE Convention Centre, New Delhi.

Today, THDCIL is one of the premier power generators in the country with installed capacity of 1537 MW with commissioning of Tehri HPP (1000MW), Koteshwar HEP (400MW), Wind Power Projects of 50MW at Patan & 63MW at Dwarka in Gujarat and 24 MW Dhukwan Small Hydro Electric Plant, Jhansi, Uttar Pradesh to its credit.

Agreement between THDCIL & PGCIL

THDC India Limited and Power Grid Corporation of India Limited signed an agreement on 26.06.2020 for Development of dedicated transmission lines (400 kV Double Circuit Line) for evacuation of power from Khurja Super Thermal Power Plant (2x660 MW)

Sh. U.C. Kannaujia, GM(NCR), Kaushambi and Sh. Bidyut Kumar, CGM (BDD), PGCIL signing the agreement

Sh. U.C. Kannaujia, GM(NCR), Kaushambi and Sh. Bidyut Kumar, CGM (BDD), PGCIL exchanging documents

to 400 kV Switchyard of 765/400 kV Aligarh Sub-Station along with associated bays at ISTS sub-station i.e. Aligarh Sub-Station. The agreement value is ₹130.30 Crore and it was signed at THDCIL's transit office at NBCC Place, Lodi Road, New Delhi on 26.06.2020. The agreement was signed by Shri U.C. Kannaujia, General Manager (NCR) on behalf of THDCIL and Shri Bidyut Kumar, Chief General Manager (BDD) on behalf of PGCIL. Other Officials present during the agreement signing ceremony were Smt. Neela Das, Sr. General Manager (BDD), PGCIL, Shri Manoj Sardana, Addl. General Manager (Th.–D), THDCIL, Shri Udayagiri Mallikarjuna, Manager (Th.–D), THDCIL and Shri Sudesh Gora, Senior Engineer (Th.–D). This agreement will pave the way for the development of dedicated transmission lines for timely commissioning of Khurja Super Thermal Power Plant and for evacuating the power generated from the plant to the beneficiary states i.e. Delhi, Rajasthan, Himachal Pradesh and Uttarakhand.

भू–विज्ञान एवं भू–तकनीकी विभाग द्वारा प्रकाशित टिहरी पावर कॉम्प्लेक्स तथा वीपीएचईपी की रिपोर्टों का विमोचन

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड का भू–विज्ञान एवं भू–तकनीकी विभाग उत्तराखंड एवं अन्य प्रांतों में भू–वैज्ञानिक एवं भू–तकनीकी क्षेत्र में अपनी अहम भूमिका निभा रहा है, जिसमें अनेक कार्यस्थलों से भू–तकनीकी से संबंधित आंकड़े एकत्र कर रिपोर्ट तैयार की जाती है। यहां पर भू–वैज्ञानिक नमूनों की जांच हेतु एक प्रयोगशाला भी स्थापित की गई है ।

भू–विज्ञान एवं भू–तकनीकी विभाग द्वारा टिहरी पावर कॉम्प्लेक्स तथा वीपीएचईपी की रिपोर्टों को भारतीय भू–वैज्ञानिक सर्वेक्षण तथा अंतर्राष्ट्रीय मानकों की तर्ज पर तैयार किया गया है। इन रिपोर्टों का विमोचन 24.01.2020 को अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री डी.वी. सिंह द्वारा निदेशक (तकनीकी), निदेशक (कार्मिक), निदेशक (वित्त), कार्यपालक निदेशक तथा महाप्रबंधक (भू–विज्ञान एवं भू–तकनीकी) की उपस्थिति में किया गया।

भू–विज्ञान एवं भू–तकनीकी विभाग अपने गठन के उपरांत टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की विभिन्न परियोजनाओं से संबंधित कार्यों के साथ–साथ परामर्शी कार्यों (अमरनाथ श्राइन बोर्ड, माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड एवं उत्तराखंड लोक निर्माण विभाग आदि) में भी अहम योगदान दे रहा है।

सादगी से मनाया गया 33 वां स्थापना दिवस

नोवल कोरोनावायरस (कोविड–19) के दृष्टिगत इस वर्ष 12 जुलाई, 2020 को टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड का 33वां स्थापना दिवस सादगी से मनाया गया। सामाजिक दूरी का पालन करते हुए कारपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश के साथ–साथ सभी परियोजनाओं एवं यूनिटों में सीमित अधिकारियों की उपस्थिति में स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री डी.वी. सिंह ने टीएचडीसीआईएल का ध्वज फहराया तथा सीमित संख्या में उपस्थित जन समूह को संबोधित किया। श्री सिंह द्वारा जारी स्थापना दिवस संदेश को परियोजना प्रमुखों ने स्थापना दिवस पर अपनी–अपनी परियोजनाओं/ कार्यालयों में उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों के समक्ष पढ़ा।

ऋषिकेश

श्री डी.वी. सिंह, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक स्थापना दिवस पर जनसमूह को संबोधित करते हुए तथा टीएचडीसी का ध्वज फहराते हुए

टिहरी

श्री वी.के.बडोनी, कार्यपालक निदेशक (टी.सी.) अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का स्थापना दिवस संदेश जनसमूह के समक्ष पढ़ते हुए

33वां स्थापना दिवस

श्री यू.के.सक्सेना, महाप्रबधंक (परियोजना) अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का स्थापना दिवस संदेश जनसमूह के समक्ष पढ़ते हुए

श्री ए.के.गोयल, अपर महाप्रबंधक अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का स्थापना दिवस संदेश जनसमूह के समक्ष पढ़ते हुए

Quiz Contest-2020

Corporate Welfare Section, Rishikesh successfully organized quiz contest on 25th June on the occasion of Foundation Day. Around 65 employees participated in the quiz. Sh. Raghvendra Kumar Srivastava, Dy.Mgr.(MPS), Rishikesh emerged as winner while Sh. Ravi Budhlakoti Dy.Mgr.(IE), Rishikesh got 2nd place and Sh. Himanshu Jaiswal Dy.Mgr.(Law), Rishikesh secured 3rd place.

Suggestion Mela-2020

श्री विजय गोयल, निदेशक(कार्मिक) अपना बहुमूल्य सुझाव देकर सुझाव मेला–2020 का शुभारंभ करते हुए

सुझाव मेले की एक झलक

Winners of Suggestion Mela-2020

1st
Sh. Ashutosh Kumar Anand
Manager, Personnel-Policy, Rishikesh

2nd
Ms. Bhawna Rawat
Manager (Planning), Tehri

3rd
Sh. Vimal Durgapal
Manager, HRD, Rishikesh

"Impossible is only an option"

THDCIL successfully raised Corporate Bonds of ₹800 Cr. @ 7.19 % from debt market through E-Bidding with 10 times oversubscription

Sh. J.Behera, Director (Finance), Second to Right, Sh. A.B. Goel, GM (Finance), top left along with Ms. Rashmi Sharma , Company Secretary and BSC official during E-Bidding at Rishikesh

THDCIL has issued Corporate Bonds Series -III amounting to ₹ 800 Cr. with base issue size of ₹300 Cr. and green shoe option of ₹500 Cr. The bidding for the above issue was done on 22nd July, 2020 at THDCIL's corporate office, Rishikesh in presence of Sh. J. Behera, Director (Finance), Sh. A.B. Goel, GM (Finance) and Ms. Rashmi Sharma, Company Secretary.

The coupon rate discovered through Bombay Stock Exchange – Electronic Bidding Platform is 7.19% for ₹ 800 Cr. with Credit rating of AA Stable which is considerably low. The bidding was grand success with over subscription of more than 10 times of Base issue size. The company received Bids for ₹3069 Cr. against issue size of ₹800 Cr. from various Investors and Arrangers.

The success of the issue is significant considering the current pandemic situation which has affected the economy . Director (Finance) thanked investors for showing such a overwhelming response to the company's Bond issue. He said that this shows the confidence of Investors on THDCIL's financial strength and future growth prospects. Also this was the first time the bond issue was handled from THDCIL's Corporate Office at Rishikesh in presence of BSE officials.

These corporate bonds has tenor of 10 years and the bond proceeds shall be used to partly meet debt requirement of on going projects under construction including recoupement of expenditure already incurred and to refinance the existing loans.

Sh. D.V. Singh, CMD, THDCIL expressed his satisfaction that THDCIL received excellent response from the various investor class for making it oversubscribed. He also said that this shows the confidence of the investors on the company's performance and growth prospects.

THDCIL successfully organized 22nd ICPSU Table Tennis Tournament

Sh. D.V. Singh, CMD giving prize to winners in the presence of Sh. Vijay Goel, D(P), Sh. J.Behera , D(F) and Sh. B.P. Gupta, CVO

THDCIL successfully organized 22nd Inter Central Power Sector Undertakings (ICPSU) Table Tennis Tournament from 25 to 28 February, 2020 at THDC India Limited (THDCIL), Rishikesh under the aegis of Power Sports Control Board, Ministry of Power, Govt. of India.

The final match in the team event was played between PGCIL and BBMB, where PGCIL emerged as winner. SJVNL secured the third position. In the Double's event match, Sh. Ronal Singh and Sh. J. Mukherjee of PGCIL won the title against Sh. Gaurav Sahani and Sh. Naresh Kumar of BBMB. Navneet and Paramjeet of BBMB secured third position. The Singles event final match was played between Sh. Ronal Singh and Sh. J. Mukherjee of PGCIL where is Sh. Ronal Singh won the match.

The chief guest of the prize distribution ceremony Sh. D.V. Singh, CMD, THDCIL gave away the prizes and medals to the winners. He addressed the gathering and expressed his gratitude to all the participating teams and congratulated the organizing committee of the tournament for their successful endeavor. Sh. Singh also congratulated the players for their outstanding performance in this four day tournament. On this occasion Sh. Singh also underlined the importance of sports in bringing discipline in our lives and stressed on the importance of sportsmen spirit.

The event was attended by Sh. Vijay Goel, D(P), Sh. J.Behera, D(F), Sh. B.P. Gupta, CVO, Sh.H.L. Bharaj, ED(S&E/Services) and General Managers viz. Sh. L.P. Joshi, Sh. G.S. Chaudhary, and Sh. Kumar Sharad. Sh. N.K. Prasad, AGM(P&A), Dr. A.N. Tripathy, Dy.GM (Personnel & PR) and other senior officers and employees were also present during the prize distribution ceremony. Sh. N.K. Prasad, AGM(P&A) welcomed the chief guest and other guests, players in the prize distribution ceremony. He further thanked the chief guest, Sr. officials of THDCIL, members of Table Tennis Association of Uttarakhand, Chief Referee & National Selector Sh. Prince Vipin as well as the participating teams for making this tournament a grand success.

It is to mention that total 10 teams of Power Sector viz. Ministry of Power (MOP), POWERGRID, BBMB, DVC, CEA, PFC, SJVNL, NHPC, POSOCO and host THDCIL participated in this tournament.

नराकास, हरिद्वार की 30 वीं अर्धवार्षिक बैठक

श्री विजय गोयल, निदेशक (कार्मिक) – बाएं
नराकास की ऑनलाइन बैठक की अध्यक्षता करते हुए

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार की 30वीं अर्धवार्षिक बैठक दिनांक 04 अगस्त, 2020 को नराकास के माननीय अध्यक्ष एवं टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के निदेशक (कार्मिक), श्री विजय गोयल की अध्यक्षता में ऑन–लाइन वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई। इस अवसर पर राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय उत्तरी क्षेत्र 2, गाजियाबाद के उप निदेशक (कार्यान्वयन), श्री अजय मलिक एवं नराकास हरिद्वार के सदस्य संस्थानों के प्रमुख एवं प्रतिनिधि उपस्थित थे।

राजभाषा व हिंदी ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन

कोविड– 19 वैश्विक महामारी के कारण निगम के कारपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए वित्तीय वर्ष 2020 की प्रथम तिमाही में आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिता 08 जून, 2020 को ऑन–लाइन आयोजित की गई। प्रतियोगिता के आयोजन के लिए राजभाषा/सामान्य हिंदी/कार्यालयीन हिंदी पर बहुविकल्पीय उत्तरों के साथ प्रश्न–पत्र तैयार किया गया था । जिसकी लिंक आयोजन के दिन सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ई–मेल आईडी एवं व्हाट्सएप ग्रुप पर भेजी गई। प्रतियोगिता की समय–सीमा आधा घंटा निश्चित की गई थी। इस प्रतियोगिता में 48 अधिकारियों/कर्मचारियों ने प्रतिभागिता की। प्रतिभाग करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों को ऑटोमेटेड मेल के माध्यम से प्रतियोगिता संपन्न होने के बाद प्रश्नों के सही उत्तर एवं उनके द्वारा प्राप्त स्कोर प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता में श्री शिवराज चौहान, वरि. प्रबंधक ने प्रथम, श्री संतोष प्रसाद घिल्डियाल, उप प्रबंधक ने द्वितीय, श्री आनंद कुमार अग्रवाल, वरि. प्रबंधक ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। श्रीमती रश्मि बड़ोनी, उप प्रबंधक एवं श्री एस.डी. बसलियाल, प्रबंधक ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रतियोगिता का संचालन करते
वरि. हिंदी अधिकारी, श्री पंकज कुमार शर्मा

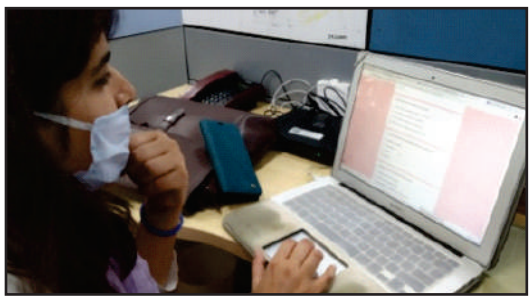

प्रतियोगिता में प्रतिभागिता करते अधिकारी

टीएचडीसीआईएल हाई स्कूल, ऋषिकेश की 2 छात्राओं का राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतिस्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन

कु. किरन साहनी

कु. कविता साहनी

एक प्रसिद्ध कहावत है कि होनहार बिरवान के होत चीकने पात। इसी कहावत को सच कर दिखाया है,टीएचडीसीआईएल हाईस्कूल, ऋषिकेश में अध्ययनरत दो अनाथ बहनों, कक्षा 10 की छात्रा कु. किरन साहनी तथा कक्षा 9 की छात्रा कु. कविता साहनी ने। दोनों बहनों ने सत्र 2019–2020 में जनपद देहरादून की ब्लॉक स्तरीय एथेलेटिक्स प्रतिस्पर्धा में प्रतिभागिता की, जिसमें किरन ने 800 मीटर,1500 मीटर, 3000 मीटर की दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके पश्चात किरन ने जनपद स्तरीय प्रतिस्पर्धा में भी 800 मीटर एवं 1500 मीटर की दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त कर चैम्पियनशिप जीती। इसके अतिरिक्त, सत्र 2019–2020 में भी ब्लॉक तथा जनपद स्तरीय फुटबॉल प्रतिस्पर्धा में प्रतिभागिता कर उन्होंने उत्तराखंड की U-19 फुटबॉल टीम में अपना स्थान सुनिश्चित किया। राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा में अपने सराहनीय प्रदर्शन से किरन ने राज्य एवं विद्यालय का नाम रोशन किया है। इसके साथ ही इनकी छोटी बहन ने भी सत्र 2019–2020 में जनपद देहरादून ब्लॉक स्तर एथेलेटिक्स प्रतिस्पर्धा की 400 मीटर, 800 मीटर दौड़ में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त, इन्होंने भी सत्र 2019–2020 के ब्लॉक तथा जनपद स्तरीय फुटबॉल प्रतिस्पर्धा में प्रतिभागिता की। दोनों ही बहनें पढ़ाई के साथ–साथ खेलों में भी होनहार हैं। गौरतलब है कि दोनों बहनें अनाथ हैं तथा बचपन से ही उनकी परवरिश उनकी दादी द्वारा की जा रही है।

Generation Performance

Tehri Hydro Complex June, Performance in Last 5 Years

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

Generation June, FY Wise

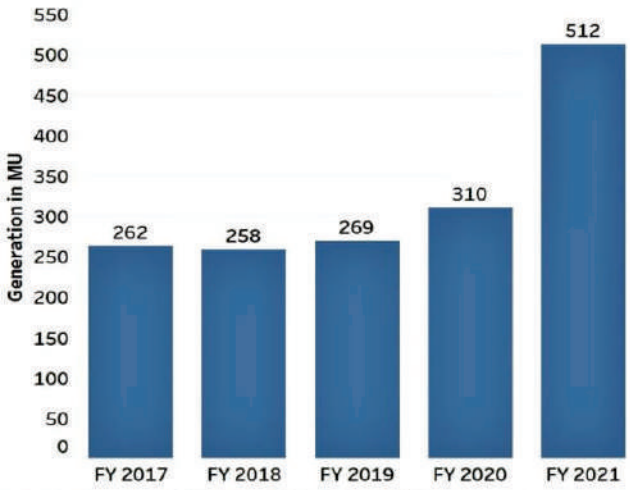

PAF June, FY Wise

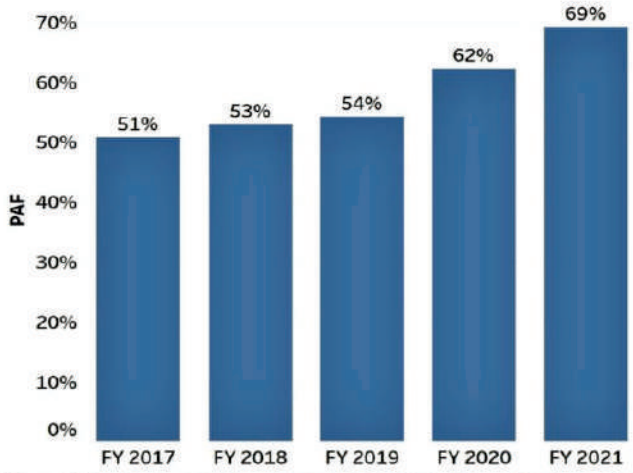

Tehri Hydro Complex Performance in Last 5 Years

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

Generation Q1, FY Wise

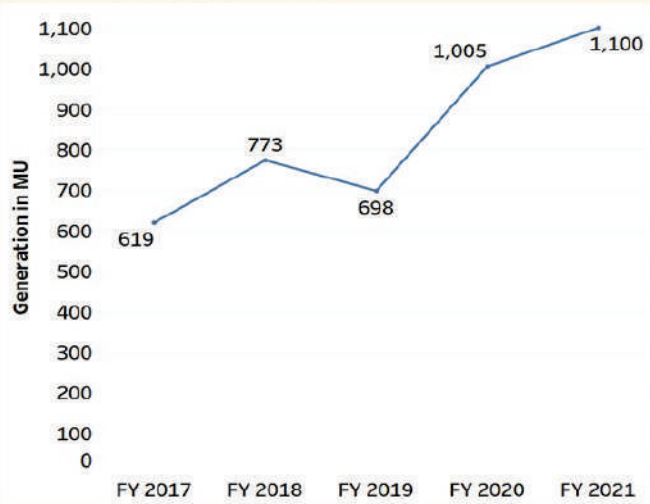

PAF Q1, FY Wise

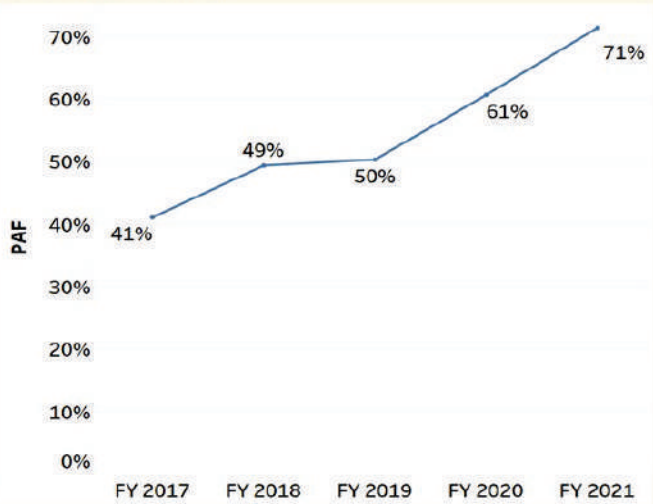

"Impossible is only an option"

सीपीएसई की पहुँचः कोविड-19 से लड़ने के लिए सीएसआर फंडिंग एक सही कदम

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
संपादक

गौरव कुमार
उप संपादक

रॉबिन सिंघल
प्रबंधक, (वित्त)

कोविड-19 : वर्तमान सन्दर्भ

विश्व संकट में है। हम दूरगामी प्रभाव वाली विश्वव्यापी महामारी से गुजर रहे हैं, जिसे आज के किसी व्यक्ति ने अपने जीवनकाल में नहीं देखा था। दुनिया भर में हजारों लोग मर रहे हैं और इनकी संख्या जल्द ही लाखों में पहुंच जायेगी। इसका असर न केवल लोगों के जीवन और सेहत पर बल्कि सरकार द्वारा अनेक शहरों और उद्योगों में लॉकडाउन तथा कर्फ्यू की घोषणा के बाद उद्योगों एवं दफ्तरों के बंद होने से अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा है। अभी तक कोई इलाज नहीं होने की स्थिति में इस रोग को रोकने का एकमात्र रास्ता घर में रहना और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना है।

भारत सरकार इस रोग के प्रसार को रोकने के लिए अनेक कदम उठा रही है। हम रोग के दूसरे चरण में हैं और इसे इसी चरण पर रोकने के गंभीर प्रयास हो रहे हैं ताकि यह तृतीय चरण में प्रवेश कर सामुदायिक प्रसार की अवस्था पैदा नहीं कर पाए।

माननीय वित्तमंत्री, श्रीमती निर्मला सीतारमण ने 23 मार्च, 2020 को कहा था, "भारत में नोवेल कोरोनावायरस के प्रसार, विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा इसे वैश्विक महामारी घोषित किए जाने और भारत सरकार द्वारा इसे अधिसूचित आपदा मानने के फैसले को देखते हुए, यह स्पष्ट किया जाता है कि कोविड–19 के लिए सीएसआर फंड्स का खर्च वांछनीय है।"

वित्त एवं कॉरपोरेट मामले के राज्यमंत्री, श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने 16 मार्च, 2020 के दिन लोकसभा को बताया कि सीएसआर पर उच्च स्तरीय समिति ने खर्च न की गई सीएसआर राशि को एक अलग निर्दिष्ट खाते में स्थानांतरित करने की अनुशंसा की है। उन्होंने कहा कि, "खर्च न की गई राशियों और उन पर अर्जित ब्याज को तीन से पाँच वर्षों के भीतर खर्च कर लिया जाए, और ऐसा नहीं करने पर उसे केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित फंड में स्थानांतरित कर दिया जाए जिसका उपयोग गतिविधियों से संबंधित अभिनव, उच्च प्रभाव वाली परियोजनाओं में किया जा सकता है।"

भारत में सीएसआर पर एक नजर

कंपनी अधिनियम, 2013 के माध्यम से कंपनियों के लिए कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) अनिवार्य किया गया है जो 01 अप्रैल, 2014 से प्रभावी है। अधिनियम की धारा 135 में सीएसआर से संबंधित प्रावधानों के विवरण हैं और कंपनी (कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति) नियमावली, 2014 में कार्यान्वयन के नियम निर्धारित किए गए हैं। इन सभी की अधिसूचना 27 फरवरी, 2014 को जारी की गयी थी और ये 01 अप्रैल, 2014 से प्रभाव में आए। कंपनी (संशोधन) अधिनियम, 2019 द्वारा कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़ी धारा 135 को संशोधित कर दिया गया। कंपनी (संशोधन) अधिनियम, 2019 को राष्ट्रपति की स्वीकृति मिली और सरकारी राजपत्र में इसे 31 जुलाई, 2019 को प्रकाशित किया गया। कंपनी (संशोधन) अधिनियम, 2019 को सक्रिय करने के उद्देश्य से कंपनी (कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति) संशोधन नियमावली, 2020 को तैयार किया गया है ताकि कंपनी (सीएसआर नीति) नियमावली, 2014 में संशोधनों को कार्यान्वित किया जा सके।

सीपीएसई भारतीय अर्थतंत्र का स्तम्भ

सार्वजनिक उपक्रम सर्वेक्षण 2018–19, जो श्रृंखला की 59वीं कड़ी थी, में पूरे देश में फैले केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (सीपीएसई) के कार्यप्रदर्शन का समेकित चित्रण किया गया है। 31 मार्च, 2019 तक 339 सीपीएसई थे जिन्होंने कुल 16,40,628 करोड़ रुपए का निवेश किया था। 2018–19 में परिचालित सीपीएसई के परिचालन से प्राप्त सकल राजस्व पिछले वर्ष के 21,54,774 करोड़ रुपए के मुकाबले 18.03% वृद्धि के साथ 25,43,370 करोड़ रुपए पर दर्ज हुआ था। इसी प्रकार समस्त सीपीएसई की कुल आय, जो 2017–18 में 20,32,001 करोड़ रुपए थी, 20.12% वृद्धि दर्ज करते हुए वर्ष 2018–19 में 20,40,478 करोड़ रुपए पर पहुँच गयी।

लाभ अर्जित करने वाले सीपीएसई (178 उपक्रम) का लाभ 2017–18 के 1,55,931 करोड़ रुपए की तुलना में 11.96% वृद्धि के साथ वर्ष 2018–19 में 1,74,587 करोड़ रुपए था। चालू सीपीएसई (121 उपक्रम) द्वारा घोषित/चुकता लाभांश, जो 2017–18 में 76,014 करोड़ रुपए था, 5.39% गिरावट के साथ 2018–19 में 71,916 करोड़ रुपए पर दर्ज हुआ। सीएसआर मद में सीपीएसई (150 उपक्रम) ने 2018–19 में 3873 करोड़ रुपए खर्च किया जो 2017–18 में व्ययित 3441 करोड़ रुपए से 12.55% ज्यादा थी।

विद्युत मंत्रालय एवं सीपीएसईज बढ़ा रहे हैं मदद का हाथ

विद्युत मंत्रालय एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अधीन वाले केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (सीपीएसई) ने "आपात स्थिति में प्रधानमंत्री की नागरिक सहायता एवं राहत कोष (पीएमकेयर्स फण्ड)" में सामूहिक रूप से 925 करोड़ रुपए का अंशदान करने का फैसला किया है। गौरतलब है कि इस फंड को कोरोनावायरस (कोविड–19) महामारी के शिकार लोगों को राहत पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा खड़ा किया गया है। अपने मंत्रालयों के अधीन के सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (पीएसयू) द्वारा बड़ी पहल के बारे में केंद्रीय विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा (एनआरई) मंत्री, श्री आर.के.सिंह ने ट्वीट किया कि, "हमें यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि विद्युत एवं एनआरई मंत्रालय के अधीन वाले सार्वजनिक उपक्रमों ने पीएम केयर्स फंड में 924 करोड़ रुपए का अंशदान करने का फैसला किया है, जिसमें से 445 करोड़ रुपए 31 मार्च को और बाकी की रकम अप्रैल के प्रथम सप्ताह में जमा कर दी जाएगी। 925 करोड़ रुपए की राशि में 902 करोड़ रुपए विद्युत मंत्रालय के पीएसयू की ओर से और 20 करोड़ रुपये एनआरई मंत्रालय के पीएसयू की ओर से हैं।

श्री सिंह ने आगे कहा कि, "अत्यंत संक्रामक रोग, कोविड–19 लगभग सम्पूर्ण विश्व में फैल गया है। भारत में भी यह महामारी गंभीर खतरे पैदा कर रही है और ऐसे में पूरे देश को एकजुट होने की जरुरत है।" उन्होंने प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर पीएम केयर्स फंड में खुले दिल से अंशदान करने वालों की सराहना की। नोवेल कोरोनावायरस (कोविड–19) से लड़ने के लिए विद्युत मंत्रालय ने इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) में स्वेच्छा से एक दिन का मूल वेतन दान करने की अपील की है। इसके अनुसार, विद्युत सीपीएसई ने अप्रैल, 2020 माह के वेतन से सभी कर्मचारियों द्वारा एक दिन के मूल वेतन का अंशदान करने का फैसला किया है। अंशदान के विवरण निम्नलिखित हैं:

वैश्विक महामारी कोविड-19 के लिए सीएसआर की दिशा में विद्युत मंत्रालय के सीपीएसई द्वारा पीएम केयर्स खाते में अंशदान					
क्र.सं.	सीपीएसई का नाम	31 मार्च 2020 के पहले जमा करने की प्रस्तावित राशि रू करोड़ में	2020–21 के लिए सीसार बजट में से जमा की जाने वाली प्रस्तावित राशि रू करोड़ में	वेतन से कर्मचारियों का अंशदान रू करोड़ में	कुल
1.	एनटीपीसी	शून्य	250	7.5	257.50
2.	पीजीसीआईएल	130	70	2.47	202.47
3.	पीएफसी	181	19	0.18	200.18
4.	आरईसी लिमिटेड	100	50	0.15	150.15
5.	एनएचपीसी	20	30	1.90	51.90
6.	एसजेवीएन लिमिटेड	5	20	0.32	25.32
7.	टीएचडीसीआईएल	2	7.4	0.60	10.00
8.	बीबीएमबी	शून्य	शून्य	2.5	2.50
9.	पीओएसओसीओ	0.27	0.3	0.17	0.74
10.	एनईईपीसीओ	2.56	1.50	0.60	4.66
		440.83	448.20	16.39	
		कुल योग			905.42

वैश्विक महामारी कोविड-19 के लिए सीएसआर की दिशा में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सीपीएसई द्वारा पीएम केयर्स खाते में योगदान		
क्र.सं.	सीपीएसई के नाम	प्रस्तावित योगदान की राशि (सीएसआर. वेतन)
1	आईआरईडीए	15
2	एसईसीआई	5
	कुल	20

सीएसआर फंडिंग के रास्ते सीपीएसई की पहुँच

दूरगामी प्रभाव वाली राष्ट्रीय आपदा की इस घड़ी में भारतीय सीपीएसई क्षेत्र सरकार और इस आपदा को कम से कम करने में सरकार की कोशिशों के साथ खड़ा है। भारतीय पीएसयू के सीएसआर कोष के प्रयोग से आरम्भ की जाने वाली कुछ गतिविधियों की सूची इस प्रकार है:

1. कोविड–19 की औषधि के निर्माण के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान
2. रोग की परीक्षण किट्स का निर्माण और/या वितरण
3. पीड़ितों के लिए संगरोधन (क्वारंटाइन) सुविधाओं की व्यवस्था
4. स्थिति का सामना करने के निये नर्सों और पैरामेडिकल कर्मियों का सामूहिक प्रशिक्षण
5. डॉक्टरों और पैरामेडिकल कर्मियों के लिए भोजन का वितरण और आश्रय की व्यवस्था
6. सैनिटाइजेशन केन्द्रों (मोबाइल एवं स्थायी) को खोलना और उसके लिए कर्मचारियों का प्रशिक्षण
7. लॉकडाउन/कर्फ्यू के दौरान घर में रहने को मजबूर गरीबों/दिहाड़ी मजदूरों के लिए भोजन/दवाओं/वित्तीय सहायता की व्यवस्था
8. एम्बुलेंस और शव वाहनों (आवश्यक होने पर) की व्यवस्था
9. प्रोटेक्टिव गियर (दस्तानों, टोपियों, मास्क आदि) की सार्वजनिक आपूर्ति
10. चिकित्सीय और पैरामेडिकल कर्मियों एवं अन्य सहायक कर्मचारियों के लिए परिवहन सुविधाएं
11. सभी सुविधाओं का शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विस्तार

सीपीएसई : अतिरिक्त फंड मोबिलाइजेशन के लिए सुझाव –

भारत सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम विभाग (डीपीई) द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार लाभ अर्जित करने वाले सीपीएसई के लिए कर पश्चात लाभ का 0.5% हिस्सा अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) पर खर्च करना अनिवार्य है। कोविड–19 संकट की व्यापकता और बड़े पैमाने पर कोष की आवश्यकता को देखते हुए सीपीएसई के उपर्युक्त आर एंड डी कोष का प्रयोग कोविड–19 का मुकाबला करने के लिए दवाओं, व्यक्तिगत रक्षात्मक उपकरण (पीपीई), परीक्षण किट्स और ऐसे अन्य वैज्ञानिक/चिकित्सीय आवश्यकताओं के अनुसंधान और विकास में भी किया जा सकता है। स्कोप (SCOPE) की वेबसाइट के अनुसार 2018–19 में लाभकारी सीपीएसई (178 उपक्रम) का लाभ 1,74,587 करोड़ रुपए था। इस राशि के 0.5% हिस्से की बात करें तो यह लगभग 873 करोड़ रुपए बैठता है। इस तरह से सीपीएसई 873 करोड़ रुपए का अतिरिक्त अंशदान कर सकते हैं और लोक हित में विवेकपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

"Goodness is the only investment that never fails"

-Henry David Thoreau

कोविड- 19 आपदा के कारण बांध प्रभावित परिवारों को खाद्य सामग्री, मास्क का वितरण

टिहरी में लॉक डाउन के दौरान बांध प्रभावित क्षेत्रों के आस–पास निवासरत कामगारों, मजदूरों, गरीब व असहाय ग्रामीणों को भोजन सामग्री की समस्या के समाधान हेतु सेवा–टीएचडीसी द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत मानवीय मूल्यों के संवर्धन के तहत सी.एस.आर. मद से बांध परिक्षेत्र के आस–पास के ग्रामीणों, मजदूरों, बेरोजगारों को खाद्य सामग्री वितरित की गई। इस दौरान सी.एस.आर. टिहरी द्वारा जरूरतमंद लोगों को लगभग 5117 किलोग्राम खाद्य सामग्री का वितरण किया गया।

श्री वीर सिंह, अपर महाप्रबंधक खाद्य सामग्री वितरित करते हुए

टीएचडीसीआईएल महिला ऑफिसर्स क्लब **"तरंगिनी"** द्वारा भी बढ़–चढ़कर सहयोग किया गया। क्लब की अध्यक्षा, श्रीमती अनुराधा बडोनी, उपाध्यक्षा, श्रीमती ऊषा गटटू एवं कोषाध्यक्ष, श्रीमती निशि सिंघल द्वारा क्लब के सदस्यों से व्यक्तिगत रूप से धन संचय कर तथा बाजार से सामग्री खरीद कर जरूरतमंदों को कॉलोनी क्षेत्र एवं गांव–गांव में उनके निवास स्थानों पर जाकर लगभग 1066 किलोग्राम खाद्य सामग्री वितरित की गई एवं क्लब के द्वारा कुछ मास्क भी तैयार किए गए, जिन्हें सी.एस.आर. टीम के साथ समन्वय स्थापित कर जरूरतमंदों अथवा कोरोना वारियर्स को वितरित करने के लिए सी.एस.आर. टिहरी के कार्मिकों को उपलब्ध कराया गया।

श्रीमति अनुराधा बडोनी, अध्यक्षा, महिला क्लब "तरंगिनी" खाद्य सामग्री वितरित करती हुई

टिहरी जनपद के अंजनीसैण में स्थित "Unifiers Social Venture" नामक स्वयंसेवी संस्था के द्वारा टीएचडीसीआईएल के सी.एस.आर. विभाग को तीन हजार कॉटन के मास्क निशुल्क उपलब्ध करवाए गए, जिनका अपर महाप्रबंधक (कार्मिक एवं प्रशासन), श्री वीर सिंह द्वारा वितरण हेतु जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन को उपलब्ध करवाया गया। इस दौरान सामाजिक दूरी का पालन करते हुए कोरोना वारियर्स के रूप में कार्य कर रहे भागीरथीपुरम पुलिस चौकी एवं कोटी कॉलोनी पुलिस चौकी में कार्यरत पुलिसकर्मियों को माला पहनाकर एवं फूलों की वर्षा कर सम्मानित किया गया।

कोरोना वारियर्स कॉलोनी को सैनिटाइज करते हुए

विषम भौगोलिक क्षेत्रों में चिकित्सा जांच शिविरों का सफल आयोजन

सेवा–टीएचडीसी के तत्वावधान में टीएचडीसी चिकित्सालय भागीरथीपुरम के सहयोग से इस वित्तीय वर्ष में रिम एरिया टिहरी में प्रस्तावित 10 चिकित्सा जांच शिविरों के कार्य को 27 फरवरी, 2020 को विधिवत संपन्न किया गया है। यह कार्यक्रम 26 जून, 2019 से 27 फरवरी, 2020 तक चला।

विषम भौगोलिक परिस्थितियों तथा दूर–दराज क्षेत्रों में बसे होने के कारण ग्रामीणों को स्वास्थ्य सम्बन्धी कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए ग्रामीणों हेतु उन्हीं के ही क्षेत्र में चिकित्सा जांच शिविरों का सफल आयोजन किया गया। इस वर्ष रिम एरिया में जिन स्थानों पर शिविरों का आयोजन किया गया, उनका विवरण निम्नवत है–

क्र.स.	चिकित्सा शिविर का स्थान	ब्लॉक का नाम	आयोजन तिथि	कुल मरीजों की संख्या	महिला	पुरूष
1.	डारसिल	भिलंगना	26.09.19	203	122	81
2.	कस्तल	जाखणीधार	17.07.19	142	88	54
3.	थौलधार	थौलधार	21.08.19	203	105	98
4.	नैलचामी	भिलंगना	04.09.19	180	98	82
5.	पनियाला	प्रतापनगर	16.10.19	152	67	85
6.	माजफ	प्रतापनगर	06.11.19	225	95	130
7.	दिचली	चिन्यालीसौड़	11.12.19	158	95	63
8.	पलाम	चम्बा	10.01.20	101	57	44
9.	सैण/कोटेश्वर	नरेन्द्र नगर	12.02.20	188	107	81
10.	चौन्दाणा	जाखणीधार	27.02.20	153	62	91
			कुल योग	**1,705**	**809**	**896**

इन अलग–अलग शिविरों में कुल 1705 मरीजों की जांच कर दवाईयां निशुल्क वितरित की गई, जिनमें 896 महिला और 809 पुरूष सम्मिलित थे। चिकित्सा शिविरों में टीएचडीसीआईएल चिकित्सालय भागीरथीपुरम की ओर से डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. नमिता डिमरी, डॉ. श्रीनिवास, डॉ. नवनीत किरण, डॉ. आर.के.एस. श्रीवास्तव, डॉ. एम.सी. पपनोई, डॉ. ए.आर. प्रसाद एवं डॉ. एस.पी. चौधरी शामिल थे।

"Impossible is only an option"

टीएचडीसीआईएल में भारत रत्न बाबा साहेब, डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की 129 वीं जयंती का आयोजन

कोविड–19 संक्रमण को ध्यान में रखते हुए सामाजिक दूरी बनाते हुए जयंती मनायी गई

बायीं ओर से– श्री डी.वी. सिंह, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के चित्र पर माल्यापर्ण कर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए एवं श्री वी.के. बडोनी, कार्यपालक निदेशक (टी.सी.) तथा श्री यू. के. सक्सेना, महाप्रबंधक (कोटेश्वर) द्वारा बाबा साहेब के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए।

टीएचडीसीआईएल ने संभाला 05 अप्रैल, 2020 को ग्रिड

दैनिक हिन्दुस्तान दिनांक 09 अप्रैल 2020

पांच अप्रैल को टीएचडीसी ने बखूबी संभाला ग्रिडः बड़ोनी

बेहतर प्रबंधन

तैयारी

टिहरी में चिकित्सा कैम्प

टिहरी में 05.02.2020 को पावर हाउस के अंदर एवं पी.एस.पी, ओ. एण्ड एम. में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों की Audiometry एवं P.F.T जांच हेतु कैलाश हॉस्पिटल, देहरादून के सहयोग से एक चिकित्सा कैम्प का आयोजन किया गया। 83 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने इस कैम्प का लाभ उठाया। इस अवसर पर टीएचडीसीआईएल के चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित थे।

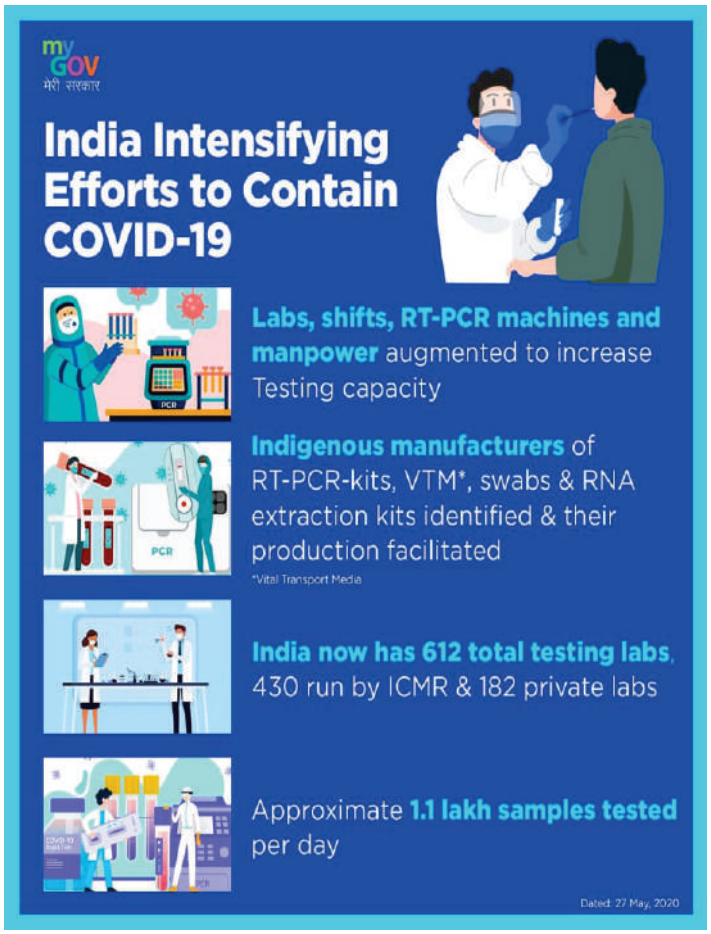

Certificate Course on First-Aid

Considering the importance of First-Aid in situation of medical emergency, a certificate course on First-Aid was organized at HRD Centre from 3rd to 5th Feb., 2020. 30 Executives from Rishikesh, Dhukwan, Wind Unit-Patan & Amelia Coal Mine participated in the programme and successfully got certified. programme was organised through Dehradun Chapter of Red Cross Society of India.

The programme was inaugurated by Shri Muhar Mani, Executive Director (OMS, QA& Safty), Rishikesh

Sh. Muhar Mani, ED (OMS) inaugurating the programme

Leadership Development Programme for Union Representatives

In order to help our Union Representatives to meet the future Challenges, 03 day residential training programme on "Leadership Development" was organized for the representatives of various unions across the organisation. The training was organized through V.V. Giri National Labour Institute, Sector- 24, NOIDA from 05th to 07th February, 2020. Post training programme, a debriefing session was also conducted by Sh. S.K. Sharma, DGM (HRD).

Group Photograph after the training programme conducted for union representantives

Internal Auditor Course

The Internal Audit is one of the most important tool for driving improvement in ISO Quality Management System. To understand the structure of QMS and processes involved in auditing , 03 days Internal Auditor Course was organised by Corporate HRD from 17th to 19th February,2020 at Centre for Sustainable Livelihood & Community Development Rishikesh through QMS Certification Services Pvt Ltd, Bengaluru.

A view of training programme

Enabling Leadership Transition and Work Life Balance

Group Exercise photograph during the programme

In an endeavour to provide an enabling environment to Women Employees within the organisation where they can realise their full potential, two training programme on Enabling Leadership & Work Life Balance was organised by Corporate HRD from 25th & 26th Feb., 2020 at Centre for Sustainable Livelihood & Community Development, Rishikesh through Jindal Institute of Leadership Development and Executive Education. Ms. Manisha Mishra was the facilitator of the Programme.

Revenue Generation Programme

In the maiden Initiative for Revenue Generation by THDCIL, residential training programmes were conducted for the executives of HPCL and NHPC through mix of In-house and External Faculties, thereby generating Revenue of ₹ 2,10,600/- from NHPC for one programme and ₹4,73,180/- from HPCL for two programmes. Thus, HRD, Rishikesh has generated revenue of ₹ 6,83,780/- from client organizations during the Financial Year 2019-20. Thus, paving way forward for converting HRD centre to a Profit Centre.

With the untiring efforts of HRD Department the programmes was organized as per the specific requests of NHPC and HPCL. The programmes for NHPC was exclusively attended by the finance team (Upto DGM level) from various units of NHPC Ltd. with Sh. Eish Taneja, an IND-AS consultant of THDCIL, as the main Faculty besides Sh. V.K. Badoni, ED (TC), Sh. Manoj Sardana, AGM (Thermal, NCR), Sh. R K Verma, DGM (Comml.), Sh. Mayank Jain, DGM (Civil) and Sh S.K. Sharma, DGM (HRD) as internal faculty. The programmes for HPCL was attended by officers from different discipline from HPCL (Upto GM level) from various parts of the country. The training programmes encompassed Outbound activities apart from Classroom training like visit to Tehri Power Complex, Ganga Darshan, Rafting etc.

PCMM Journey of THDCIL

People Capability Maturity Model (People – CMM) focuses on continuously improving the Management and Development of the Human assets of an organization. It describe an evolutionary improvement path from an ad- hoc, inconsistently performed practices, to a matured, disciplined, and continuously improving development of the knowledge, skills, and process abilities that motivate the workforce and enhances strategic business performance. It also enables to be Employer of Choice/Best Practices. There are Five Levels of PCMM which are: Level 1-Initial, Level 2 – Managed, Level 3- Defined, Level 4- Predictable, Level 5- Optimizing.

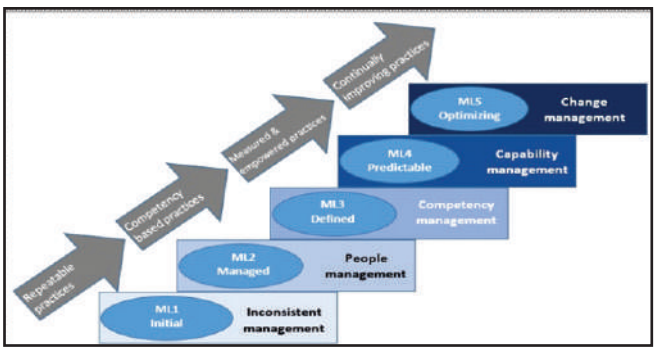

PCMM is a Diagnostic model/framework and it is used as a guide in planning and implementing improvement activities in HR Practices.

As per MoU Mandate of 2018-19 THDC India Ltd. was assessed at Maturity Level 3 (ML-3 Defined). The Target was achieved under Excellent Category. Further Board of Directors (BoD) of THDC India Ltd. has accorded approval on 11/12/2018 to go for up gradation of THDCIL from ML-3 (Defined) to ML-4 (Predictable) with in a timeline of 12-18 months.

The Core HR Team across locations was put on **Action Mode** from Jan. 2019 itself. The target of upgradation to ML 4 from ML 3 was also a part of MoU Mandate 2019-20. The whole journey was travelled thru various phases viz. Strengthing of ML – 2 (Managed) and ML-3 (Defined), through training Sensitization and review of HR Policies & procedures and Preparation for Achieving ML-4 (Predictable) through Guidance, Review and Sensitization a team from M/s MacLead Certifications. (A partner of CMMI Institute, Pittsburgh, USA), Lead by Prof. Chandra Sekhar Mateti was roped in for hand holding and guiding the HR fraternity.

All preparations were completed for Achieving ML 4 (Predictable) were completed by Oct. 2019 under the able Guidance & Leadership of Director (Personnel) Sh. Vijay Goel, infact the entire efforts of Team HR were steered by Director (Personnel).

Thereafter an Agreement was inked on 7th Nov. 2019 between THDC India Ltd. and Quality Council of India (an autonomous body under deptt of Industrial Policy & Promotion) Sh. S.K. Sharma, Dy. General Manager (HRD) THDCIL and Sh. A.K. Singh, Dy. Director (QCI), New Delhi signed the agreement to carry out the assessment in a time bound period of 14 weeks from the date of start, i.e-7th Nov, 2019. Assessment was carried out by M/s QCI in various phases comprising Initiation Meeting, Preparatory phase, Survey Assessment & Reporting Phase followed by Management Review/Determination of Maturity Level & Road Map ahead with suggested timeline.

Final Report was submitted on 14/02/2020 wherein THDCIL has been declared at Maturity Level 4 (Predictable) in line with PCMM guidelines which another feather in the cap of THDCIL.Entire exercise of Strengthening as well as assessment was coordinated by Corporate HRD.

"Impossible is only an option"

Innovation Challenge CoVID Scape प्रतियोगिता में टीएचडीसीआईएल को दूसरा स्थान

गौरव कुमार, प्रबंधक (जनसंपर्क), ऋषिकेश

राहुल जोशी, उप प्रबंधक, ऋषिकेश

सिद्धार्थ कौशिक, उप प्रबंधक, कोटेश्वर

अपूर्व कुमार, उप प्रबंधक, कोटेश्वर

तनुज सिंह राणा, उप प्रबंधक, टिहरी

Design Innovation Centre, IIT Roorkee द्वारा Innovation Challenge CoVID Scape नामक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें प्रबंधक(जनसंपर्क), गौरव कुमार, उप प्रबंधक–राहुल जोशी, सिद्धार्थ कौशिक, तनुज सिंह राणा व अपूर्व कुमार, जो कि IIM Kashipur से कंपनी प्रायोजित MBA कर रहे हैं, इनकी टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। इस प्रतियोगिता में IIT Roorkee समेत कुल 97 टीमों ने भाग लिया था, जिसमें National Institute of Design, Kurukshetra को प्रथम तथा Pantnagar University, Uttarakhand को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है। इस प्रतियोगिता में कुल 3 राउंड थे।

THDCIL Team won Quest for Excellence-2019

THDCIL team comprising of Mr. Ashish Pathak, Ms. Priyanka Verma, and Mr. Prashant Choudhary, Sr. Pers. Officer (SPO) won Quest for Excellence organized by PGCIL in Gurugram on 20.02.2020. The prize amount of ₹ 01 Lac was given away by Director (HR), POSOCO to the winners. The theme of this competition was HR-Future Ready for Artificial Intelligence.

I[st] Batch of THDCIL Sponsored EPGP Programme (2017-19) Successfully Passed Out

1st Batch of THDCIL Sponsored EPGP Programme (2017-19) comprising of following Executives have successfully completed the course and has been awarded Executive Postgraduate Diploma in Management from IIM Kashipur.

Sachin Mittal
Mgr. (CP), RKSH

Ravi Budhlakoti
Dy. Mgr. (IE), RKSH

Pratitya Bansod
Dy. Mgr. (O&M), KHEP

Arpan Kumar
Dy. Mgr. (O&M), Tehri

Raghvendra Srivastava
Dy. Mgr. (MPS), RKSH

Training Programme through Web-Learning

Webinars (Training programme through Web Interface) has emerged as an effective learning tools. Corporate HRD has organised and nominated Executives for training programme through Web Interface (Webinars) during Jan-2020 to March-2020. Around 60 Executives across functions & locations participated in Webinars on various subjects. This way we have accomplished MoU target for Capability Development programmes for employees to build their technical & managerial competencies for higher positions with special focus on web learning

स्वच्छता पखवाड़ा

विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड में दिनांक 16 से 31 मई, 2020 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया।

टिहरी

इस दौरान कोरोनावायरस संक्रमण (कोविड–19) को ध्यान में रखते हुए सामाजिक दूरी का पालन करते हुए परियोजना में कार्यरत कार्मिकों द्वारा सफाई अभियान चलाया गया। इस अवसर पर कार्यालय परिसर, कॉलोनी क्षेत्र को सैनिटाइज कराया गया ।

कोटेश्वर

कोरोनावायरस संक्रमण से बचाव हेतु परियोजना परिसर, बाँध एवं पावर हाउस क्षेत्र तथा आवासीय परिसरों की साफ–सफाई के साथ–साथ सोडियम हाईपोक्लोराईट (Sodium Hypochlorite) का छिड़काव कर सैनिटाइज किया गया ।

पीपलकोटी

विष्णुगाड पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत 27 मई, 2020 को स्वच्छता अभियान चलाया गया।

कोटेश्वर के ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य सामग्री का वितरण

लॉकडाउन के दौरान श्री यू. के. सक्सेना, महाप्रबंधक (परियोजना) द्वारा 'सेवा–टीएचडीसी' के माध्यम से एवं उच्च प्रबंधन के सहयोग से परियोजना क्षेत्र से लगे गावों एवं आस–पास के क्षेत्र में गरीब परिवारों, निराश्रित महिलाओं एवं विभिन्न प्रदेशों के प्रवासी मजदूरों को खाद्य सामग्री का वितरण किया गया ।

राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह

कॉरपोरेशन के कॉरपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश तथा सभी परियोजना कार्यालयों में दिनांक 12 से 18 फरवरी, 2020 तक राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह मनाया गया। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

ऋषिकेश

कॉरपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश में दिनांक 12 से 18 फरवरी, 2020 तक राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह सफलतापूर्वक मनाया गया। सप्ताह का शुभारंभ श्री मुहर मणि, कार्यपालक निदेशक (ओ.एम.एस.क्यू.ए. एवं सुरक्षा), ऋषिकेश द्वारा किया गया। इस अवसर पर उत्तराखंड उत्पादकता परिषद के संकाय सदस्य के रूप में उपस्थित सचिव, श्री एस.पी. सिंह द्वारा दिनांक 17 फरवरी, 2020 को आयोजित सेमिनार में "Wastage Elimination : Prosperous Industry, Happy Nation" विषय पर एक प्रस्तुतीकरण दिया गया।

श्री मुहर मणि, कार्यपालक निदेशक उत्पादकता सप्ताह के दौरान अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए

टिहरी

श्री वी.के. बडोनी, कार्यपालक निदेशक (टीसी) विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए

राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह के मध्य टिहरी परियोजना कार्यालय में इस वर्ष उत्पादकता सप्ताह की थीम **"अपशेष निराकरणः समृद्ध उद्योग–खुशहाल राष्ट्र"** पर आयोजित एक सेमिनार में हेमवती नन्दन बहुगुणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय परिसर, बादशाही थौल के प्रो. नरेश अग्रवाल, विभागाध्यक्ष (पर्यावरण एवं जन्तु विज्ञान) द्वारा एक विस्तृत व्याख्यान दिया गया। सप्ताह के अन्तर्गत परियोजना में कार्यरत कार्मिकों हेतु नारा एवं निबंध प्रतियोगिताओं तथा स्कूली बच्चों हेतु चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कोटेश्वर

सप्ताह के दौरान राष्ट्रीय उत्पादकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से परियोजना के कर्मचारियों/अधिकारियों के लिए तथा स्कूली बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे निबंध, नारा एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।

श्री यू.के.सक्सेना, महाप्रबंधक उत्पादकता सप्ताह के दौरान अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए

श्री यू.सी. कन्नौजिया, महाप्रबंधक विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए

कौशांबी

कौशांबी कार्यालय में भी राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह सफलापूर्वक मनाया गया। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विजयी प्रतिभागियों को महाप्रबंधक (एन.सी.आर.), श्री यू. सी. कन्नौजिया द्वारा पुरस्कृत किया गया।

कोटेश्वर में राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह

04 मार्च, 2020 को कोटेश्वर में 49वें राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ श्री यू. के. सक्सेना, महाप्रबंधक (परियोजना) ने कर्मचारियों को सुरक्षा की शपथ दिलाकर किया। सुरक्षा सप्ताह दिनांक 04 से 10 मार्च, 2020 तक मनाया गया। सप्ताह के अंतर्गत कर्मचारियों के लिए निबंध प्रतियोगिता, नारा प्रतियोगिता एवं सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया।

महाप्रबंधक (परियोजना) सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते हुए

कोटेश्वर में रक्तदान शिविर

कोटेश्वर में आई.एम.ए. देहरादून के माध्यम से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 57 यूनिट रक्तदान हुआ। मुख्य अतिथि, श्री यू.के. सक्सेना, महाप्रबंधक (परियोजना) ने शिविर का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

इस अवसर पर परियोजना के कर्मचारियों के अलावा सीआईएसएफ के जवानों एवं परियोजना में कार्यरत विभिन्न कंपनियों के कर्मचारियों ने रक्तदान किया।

कोटेश्वर में वॉलीबाल प्रतियोगिता

27 फरवरी, 2020 को कोटेश्वर में वार्षिक खेल–कूद कैलेण्डर कार्यक्रम के अनुसार आपसी सौहार्द एवं खेल भावना को बढावा देने के उद्देश्य से टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, कोटेश्वर एवं सीआईएसएफ, कोटेश्वर के बीच वॉलीबाल खेल का आयोजन कराया गया। खेल का उद्घाटन श्री यू. के. सक्सेना, महाप्रबंधक (परियोजना) द्वारा किया गया दोनों टीमों के बीच चले कड़े मुकाबले में सीआईएसएफ की टीम ने लगातार तीन सेटों में 25–15, 25–18 एवं 25–16 अंकों से विजय प्राप्त की।

कोटेश्वर में महिला दिवस

कोटेश्वर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस धूम–धाम से मनाया गया। श्री यू. के. सक्सेना, महाप्रबंधक (परियोजना) तथा उनकी धर्मपत्नी श्रीमती रेनू सक्सेना, श्रीमती अनुराधा बडोनी धर्मपत्नी श्री वी. के. बडोनी, कार्यपालक निदेशक, टिहरी कॉम्पलेक्स, तथा श्री बी. के. सिन्हा, उप महाप्रबंधक (कार्मिक) एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती विनीता सिन्हा ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

आतंकवाद विरोधी दिवस

गृह मंत्रालय एवं विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के कॉरपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश तथा सभी परियोजना कार्यालयों में 21 मई, 2020 को आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया गया। कोविड–19 महामारी के संक्रमण को ध्यान में रखते हुए सामाजिक दूरी का पालन करते हुए कॉरपोरेशन के विभिन्न विभागों द्वारा अपने अधीनस्थ कार्यरत कार्मिकों को अपने स्तर पर आतंकवाद विरोधी शपथ दिलाई गई।

ऋषिकेश

विभागों में आतंकवाद विरोधी शपथ लेते हुए अधिकारी एवं कर्मचारीगण

टिहरी

कार्यपालक निदेशक (टीसी), श्री वी.के. बडोनी अन्य विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों को शपथ दिलाते हुए

कोटेश्वर

महाप्रबंधक, श्री यू.के. सक्सेना, शपथ दिलाते हुए

पीपलकोटी तथा खुर्जा में भी कार्मिकों को अपने स्तर पर आतंकवाद विरोधी शपथ दिलाई गई।

शपथ

"हम भारतवासी अपने देश की अहिंसा एवं सहनशीलता की परम्परा में दृढ़ विश्वास रखते हैं तथा निष्ठापूर्वक शपथ लेते हैं कि हम सभी प्रकार के आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करेंगे। हम मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शान्ति, सामाजिक सद्भाव तथा सूझ–बूझ कायम करने और मानव जीवन मूल्यों को खतरा पहुंचाने वाली और विघटनकारी शक्तियों से लड़ने की भी शपथ लेते हैं।"

टीएचडीसी लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन, ऋषिकेश की गतिविधियां

नव वर्ष उत्सव

लोहड़ी उत्सव

होली मिलन समारोह

"Impossible is only an option"

Agreement between THDCIL & North Central Railway

Sh. U.C. Kannaujia, GM(NCR) & Sh. Vijay Singh, Sr. DEN-(V), NCR, Prayagraj after signing the agreement

THDC India Limited & North Central Railway, Prayagraj signed an agreement on 21.07.2020 for Licensing of Railway Land at Danwar Station, Khurja for the Development of Private Railway Siding of Khurja Super Thermal Power Plant (2x660 MW). The agreement was signed at Sr. DEN-(V), NCR, Prayagraj's office at Prayagraj, U.P. The agreement was signed by Sh. U.C. Kannaujia, GM (NCR) and Sh. Vijay Singh, Sr. DEN-(V), NCR, Prayagraj. Other officers present during the agreement signing ceremony were Sh. Sanjay Singhal, AGM (Coal/R.S/R.E)-THDCIL, Sh. Ombir Singh, Sr. DGM, RITES, Sh. Mithilesh Kumar, (STA- RITES), Smt. Reena Bose (OS/Land, Engg. works - NCR, Prayagraj). This agreement will pave the way for Development of Private Railway siding for Khurja STPP through which coal will be transported from Amelia Coal Mine, Singrauli, M.P. to Khurja plant area from nearest Danwar Railway station, Khurja, U.P.

Awareness Programme organized by Forum for Women in Public Sector (WIPs)

A Session on awareness on Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013 (POSH Act) and the Role of Internal Complaints Committee was organized on 13th January,2020 at HRD Centre, Pashulok, Rishikesh for Non executives female employees, Contractual and female apprentices working in THDCIL Rishikesh .The session was organized as an initiative of the WIPs Committee in association with HRD & Internal Complaints Committee of Rishikesh & NCR. The talk was delivered by Presiding Officer and Secretary of ICC.

A Group Photograph of Participants

PROJECT UTTHAN
Farm Mechanization through Custom Hiring Centers.

Sh. D.V. Singh, CMD, THDCIL flags off farm equipment fleet in the presence of Sh. Vijay Goel, Director(Personnel) and other senior officials at Rishikesh

Introduction

The agriculture and allied sector continues to be significant for the inclusive and sustainable growth of the Indian economy. Indian Agriculture Sector not only ensures food security but also provides employment for substantial volume of population, directly & indirectly. Though agriculture contributed only 14.4% to the country's Gross Value Added for the year 2018-19 (Economic Survey 2018-19), still it is in driver seat for demand creation.

Agriculture mechanization is an appropriate answer to such challenges. Technological improvements in Indian agriculture since the mid-sixties have enabled a substantial increase in food grains production. **Farm mechanization in India stands at about 40%-45%, which is still low when compared to countries such as the U.S. (95%), Brazil (75%) and China (57%). While the level of mechanization lags behind other developed countries, it has seen strong growth through the last decade in India. The farm power availability on Indian farms has grown from 1.47 kW/ha in 2005-06 to 2.02 kW/ha in 2013-14.**

Sustainable Development Goals & Agriculture:

2015 was an important year for future of agriculture and development, as new set of global Sustainable Development Goals (SGDs) shaped the road for next 15 years of policies, programmes and funding. More than any other sector, agriculture is the common thread which holds the 17 SDGs together. Investing in the agriculture sector can address not only hunger and malnutrition but also other challenges including poverty, water and energy use, climate change and unsustainable production and consumption.

Sustainable Development Goal No. 2 calls specifically to : "end hunger, achieve food security and improved nutrition and promote sustainable agriculture." Reaching the SGD targets simply will not be possible without a strong and sustainable agricultural sector. Rural people represent the largest segment of the poor India. Growth in agriculture is at least twice more effective in reducing poverty than any other sector as agriculture is an engine of pro-poor economic growth in rural areas.

Govt. efforts to support Farm Mechanization:

The government has introduced several schemes and polices that support greater mechanization of Indian Agriculture, with respect to commitment to transform the agriculture sector and double farmers' income by 2022-23 and Sub Mission on Agriculture Mechanization (SMAM) is an important initiative of the Govt. Focus on farm mechanization is driven by need for enhancing agriculture productivity, availability of food grains; increasing agriculture exports; mitigating labour shortage; and facilitating judicious use of scarce natural resources mainly water, labour and farm inputs. **Keeping this in view, an ambitious target of increasing the availability of farm power from 2.02 kW per ha (2016-17) to 4.0 kW per ha by the end of 2030 has been set by Govt. of India.**

THDC project UTTHAN : Farm Mechanization through Custom Hiring Centers

States of north i.e. Punjab, Haryana and Uttar Pradesh have high level of mechanization due to highly productive land in this region as well as a declining labor force. Western and southern states in the country have a lower level of mechanization due to the smaller and scattered land holdings. As a result, in many cases, mechanization has been uneconomical leading to lower development. In Uttarakhand, the level of mechanization is extremely low. There are a number of reasons behind this, i.e. hilly topography, high transportation cost, lack of adequate state financing and other financial constraints due to socio-economic conditions and dearth of agricultural machinery manufacturing industries.

Keeping in view of this, THDCIL being a socially responsible organization, continuously strives to come up with solutions for rural development and agriculture promotion activities through various interventions like providing poly-houses, high yielding seeds, vermin compost pits, LDEP tanks, drip irrigation, sprinklers, rain water harvesting for irrigation, and tech. counselling by experts etc. One of the major intervention of THDC to check the major impediments in promotion of sustainable agriculture in villages of Dist. Tehri Garhwal, Uttarakhand viz, fragmentation of land holding, unaffordabiltiy of farm technology, a large presence of small & marginal farmers ; is by promoting custom hiring centres / farm machinery banks to help easy farming, more produce, save time and check migration.

THDC Project Utthan : Farm Mechanization through Custom Hiring Centers, is based on the foundational belief that, agriculture mechanization is crucial for modernization and commercialization of agriculture as it improves productivity and timeliness of agriculture operations, aids in value addition, brings down the cost of cultivation and enables climate change adaptation. Various research papers and experts have vetted the fact that the promotion and modernization of custom hiring models and Agriculture Machinery Banks are steps in the right direction.

Custom Hiring Centres (CHCs) are basically a unit comprising a set of farm machinery, implements and equipments meant for custom hiring by farmers. Though, certain implements and equipments are crop specific, the traction units like tractors, power tillers, etc. and self-propelled machinery like combine harvesters, etc. are used in common. An ideal model, envisaged in this project comprises farm machineries that are used for tillage operations for all crops, multi crop equipments and minimum of crop specific machinery.

In Tehri Garhwal, farmers practice indigenous and manual process for crop cultivation. They use labour oriented workflow for cultivation, all these process take much time and human resources, increasing the cost of cultivation. Change in climate conditions in last few years, also resulted in the rainfall available for only few days a year. Farmers generally cannot complete their cultivation activities due to hilly terrain, less resources and poor connectivity which affect their crops yield.

To address such problem, Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, GoI with the aim of providing farm machinery inputs to small & marginal farmers, reduced cost of cultivation, added to yield, mitigate the risk in farming activity, increased income through agriculture and to generate awareness of rural community about modern technologies and machinery started Sub Mission on Agricultural Mechanization (SMAM) scheme. Major portion of cost of farm machinery bank is born by the Agri. Dept., and a part cost is contributed by beneficiary. But, the economic condition of most of the farmers is such that they are not even able to afford the part cost of the farm machinery bank. In such a economic scenario, Agri. Dept. was also not able to achieve the targets. At the same time, THDCIL with a very meagre CSR budget of 17-18 Cr/year & huge expectations of locals was striving hard to strengthen livelihood of its stakeholder mostly marginal farmers. Common objectives brought THDCIL and Agri. Dept. together for elevating livelihood status of farmers in THDCIL's operational area through implementation of Project Utthan : Farm Mechanization through Custom Hiring Centers. To maximise the no. of CHCs and increased participation of small & marginal farmers to it, THDC played the pivotal role by paying 75% to 100% share of beneficiary contribution. It increased the reach of farm mechanization to small & marginal farmers and promoted 'Custom Hiring Centers' to hire out agricultural machinery and implements on nominal charges to the needy farmers.

Till now THDC has established 79 Farm Machinery Bank in District Tehri, one in Uttarkashi and 3 in Haridwar of Uttarakhand. These 83 Farm Machinery Banks are being run by the local community in SHG mode, and benefitting 1245 farmers directly and 8300 farmers indirectly.

Farmers can hire the farm machines from Farmer institution at minimum cost collected for maintenance of the equipments. Every quarter, a team of SEWA-THDC, Agriculture Department and supplier representative visits site & talk to Self Help Groups (SHGs) to know actual feedback and take further action to regularly monitor and act timely for its sustainability.

THDC has so far with above intervention created numerous farm equipment community assets with appx. worth of Rs. 415 Lakh. The contribution of THDC in these assets through its CSR funds is nearly 20 % i.e. Rs. 80 Lakh.

Conclusion:

According to the Agriculture Census, total number of operational holdings in India numbered 138.35 million with an average size of 1.15 hectare. Of the total holdings, 85 % are in small & marginal farm categories, though operating only on 44 % of land under cultivation, are the main providers of food and nutritional security to the nation, have limited access to technology, inputs, credits, capital and market. In order to enhance level of mechanization in agricultural operations more and more CSR funds should be channelized in this direction. To provide after sale services in the field and to avoid damage of machinery due to unskilled labour there is a need to promote training of personnel at various levels and maintain minimum spares outlets which will reduce breakdown time and will also create additional rural jobs.

A CSR report compiled by Sh. Saurabh Kushwaha Sr. PO (Social), Rishikesh

Social Distancing: The New Normal

Sh. Ashutosh Kumar Anand
Manager, Personnel-Policy,
Rishikesh

In March 2020, the World Health Organization (WHO) declared Corona virus disease 2019 (COVID-19) a pandemic, pointing to over 110 countries and territories around the world where the corona virus illness is present. A novel form of Corona virus (2019-nCoV) in Wuhan has created a confused and rapidly evolving situation. The deadly virus shook the whole world and it infected and affected the entire way of life and thought. Suddenly, lockdown, face masks, social distancing etc. became part of life and prerequisite to stay safe from spread of this deadly virus. People were forced to remain indoors, isolated, cut off. No one knows this continues and for how-long, social distancing shall mean no hugs; no handshakes; no congregating in large groups; no close in-person interaction with strangers. The Normal life of people is has been redefined. In fact in times of social distancing, it is generally construed that social connectedness is central to well-being and good mental health. Indeed, the father of the field of positive psychology, the University of Pennsylvania's Martin Seligman, places social closeness at the very center of his model of human happiness. But as pas as covid-19 is concerned social distancing is the only way to avoid transmission but psychologists say that social isolation so deleterious to our well-being. Paul Zak, a professor of economic sciences, psychology and management at Claremont Graduate University in California in his work with regard to the effects of oxytocin, a highly pleasurable neurotransmitter that acts as a hormone in the brain. It is sometimes called the "love molecule" because it is excreted when we have contact with others. By endowing social connection with pleasure, oxytocin binds us together. It raises happiness and lowers stress, and increases kindness and charity toward others. In contrast, when we are isolated from others and thus bereft of oxytocin, life can feel cold and empty. For many, loneliness and even depression follow. Today's regime of social distancing may well spare us from covid-19 infection as it generally construed that if it continues too long and without remediation efforts, it will also deprive us of the oxytocin we need to survive and thrive.

The outbreak of COVID-19 has had profound, pervasive and far-reaching impact on various aspects facets of human life, including how we think, how we relate to others and what we value the most. It has reminded us of our physical fragility, undermined economic security, disrupted our daily routines, shattered our dreams and forced us into social isolation, stress and fear psychosis. The crisis has provided us with ample time to self-reflect and alter our behavioral patterns to cope with the prevailing situation and make our life happy and meaningful in the post-COVID period. While we pray for an early end to the contagion and complete lifting of the lockdown, it is imperative to ponder over one moot point. Whether we will continue with habits and associations ingrained during the quarantine? Whether we will exhibit the same empathy and kindness to keep communal bonds and humanitarian values intact? Whether we will stick to personal hygiene and cleanliness? Whether we respect the Mother Earth and its biodiversity? Only time will tell. But Humankind has always emerged victorious in any situation it was put in and with the development in science and technology it has always helped mankind to overcome any precarious situation.

With vaccines soon to roll in the markets, we may assume that the fight against corona may come to an end. But the new norms of social life may and shall continue. Man being a social animal, social distancing is something very harsh but if we take this concept of distancing to next level by trying to distance ourselves from all evils, be it in thought, actions, be it verbal, mental, oral etc. An attempt to practice distancing permanently with all negative shades of human life even after the war against corona is over will definitely make us more sensitive, pure and immune to negatives of life with increased endurance and ability to cope with emotions.

"Impossible is only an option"

Ministry of AYUSH, Govt. of India

Ayurveda's immunity boosting measures for self care during COVID 19 crisis

In the wake of the COVID 19 outbreak, entire mankind across the globe is suffering. Enhancing the body's natural defence system (immunity) plays an important role in maintaining optimum health. We all know that prevention is better than cure. While there is no medicine for COVID-19 as of now, it will be good to take preventive measures which boost our immunity in these times.

Ayurveda, being the science of life, propagates the gifts of nature in maintaining healthy and happy living. Ayurveda's extensive knowledge base on preventive care, derives from the concepts of "Dinacharya" - daily regimes and "Ritucharya" - seasonal regimes to maintain healthy life. It is a plant-based science. The simplicity of awareness about oneself and the harmony each individual can achieve by uplifting and maintaining his or her immunity is emphasized across Ayurveda's classical scriptures.

Ministry of AYUSH recommends the following self-care guidelines for preventive health measures and boosting immunity with special reference to respiratory health. These are supported by Ayurvedic literature and scientific publications.

Recommended Measures

I General Measures

1. Drink warm water throughout the day.
2. Daily practice of Yogasana, Pranayama and meditation for at least 30 minutes as advised by Ministry of AYUSH (#YOGAatHome #StayHome #StaySafe)
3. Spices like Haldi (Turmeric), Jeera (Cumin), Dhaniya (Coriander) and Lahsun (Garlic) are recommended in cooking.

II Ayurvedic Immunity Promoting Measures

1. Take Chyavanprash 10gm (1tsf) in the morning. Diabetics should take sugar free Chyavanprash.
2. Drink herbal tea / decoction (Kadha) made from Tulsi (Basil), Dalchini (Cinnamon), Kalimirch (Black pepper), Shunthi (Dry Ginger) and Munakka (Raisin) - once or twice a day. Add jaggery (natural sugar) and / or fresh lemon juice to your taste, if needed.
3. Golden Milk- Half tea spoon Haldi (turmeric) powder in 150 ml hot milk -once or twice a day.

III Simple Ayurvedic Procedures

1. Nasal application - Apply sesame oil / coconut oil or Ghee in both the nostrils (Pratimarsh Nasya) in morning and evening.
2. Oil pulling therapy- Take 1 table spoon sesame or coconut oil in mouth. Do not drink, Swish in the mouth for 2 to 3 minutes and spit it off followed by warm water rinse. This can be done once or twice a day.

IV During dry cough/sore throat

1. Steam inhalation with fresh Pudina (Mint) leaves or Ajwain (Caraway seeds) can be practiced once in a day.
2. Lavang (Clove) powder mixed with natural sugar / honey can be taken 2-3 times a day in case of cough or throat irritation.
3. These measures generally treat normal dry cough and sore throat. However, it is best to onsult doctors if these symptoms persist.

Note:The above measures can be followed to the extent possible as per an individual's convenience.

भावभीनी विदाई एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं

Shri H.L. Bharaj
Executive Director, Rishikesh
Date of Retirement: 30.04.2020

Shri H.L. Bharaj graduated in civil engineering from Punjab Engineering Collage, Chandigarh in year 1983. He started his career from Chamera Hydro Project stage - 1 (HP) of NHPC since 1985 and remained associated with Project infrastructure works and underground power house works. He joined THDC in Dec. 1990 and worked in Tehri Hydro Project in B&R, planning/monitoring, Q.C. deptts. & underground Power house Constn. & spillway Constn. Works till year 2007.

Thereafter from year 2007 onwards Sh. H.L. Bharaj extended his services at Koteshwar Hydro Project in planning/monitoring & Q.C. deptt.. He later served as Chief Project Officer from year 2010 to year 2013 and looked after balance Constn. works of Concrete Dam, Power House and spillways till commissioniong of all four units of Project.

Sh. H.L. Bharaj was posted at corporate office, Rishiskesh since year 2013.

Shri U.K. Thakur
General Manager, Tehri
Date of Retirement: 31.03.2020

Sh. U.K. Thakur graduated in Civil Engineering from Thapar Institute of Engineering & Technology, Patiala in 1981. He started his carrier as Asstt. Executive Engineer in NPCC Ltd from December 1981 at Mahi Bajaj Sagar Project, Banswara and was associated with construction of Power House 1 & 2 till October 1992.

He joined THDCIL in November 1992 and was associated with successful completion of Tehri Coffer Dam, Tehri Main dam and Infrastructure development of Koteshwar HEP.

From 2007 , he has successfully handled Tehri Dam Operation, Maintenance and upgradation works. He Superannuated in March 2020 as General Manager, Tehri Stage 1 (Civil).

डा. डी. एल भट्ट
उप महाप्रबंधक (एस.एण्ड.ई.)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति 31.05.2020

श्री किशोर सिंह पुंडीर
उप महाप्रबंधक (विधि)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति 30.06.2020

श्री राजीव ढल
उप महाप्रबंधक (वाणिज्यिक)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति 31.05.2020

श्री अशोक कुमार श्रीवास्तव
वरिष्ठ प्रबंधक (हिंदी)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति 30.06.2020

श्री पी . के. मित्तल
वरिष्ठ प्रबंधक (वित्त)
टिहरी
सेवानिवृत्ति 29.02..2020

श्री सतेन्द्र कुमार बहुखण्डी
वरिष्ठ प्रबन्धक (ओ. एण्ड एम.)
कोटेश्वर
सेवानिवृत्ति 30.04.2020

श्री जितेन्द्र सिंह चौहान
कनिष्ठ कार्यपालक (प्रशासन)
कोटेश्वर
सेवानिवृत्ति 30.06.2020

श्री रतन देव पन्त
उप अभियंता (यांत्रिक)
कोटेश्वर
सेवानिवृत्ति 30.06.2020

श्री प्रेमलाल बिजल्वाण
उप अधिकारी (का. एवं प्रशा.)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति 30.06.2020

श्री अशोक कुमार
वरिष्ठ सहायक
बाँध एवं पावर हाउस
कोटेश्वर
सेवानिवृत्ति 29.02.2020

श्री बालम सिंह नेगी
वरिष्ठ सहायक
टिहरी
सेवानिवृत्ति 29.02.2020

श्री ब्रह्मदत्त
हेल्पर (यांत्रिक)
टिहरी
सेवानिवृत्ति 31.03.2020

श्री वीरेन्द्र कुमार
वरिष्ठ सहायक
टिहरी
सेवानिवृत्ति 31.01.2020

श्रीमती गीता देवी
वरिष्ठ चिकित्सा सहायक
टिहरी
सेवानिवृत्ति 30.04.2020

श्री चन्द्रभान शर्मा
वरिष्ठ आपरेटर
टिहरी
सेवानिवृत्ति 31.03.2020

श्री गणेश सिंह
वरिष्ठ विद्युतकार
टिहरी
सेवानिवृत्ति 30.04.2020

श्री धर्मवीर सिंह
हेल्पर (बांध)
टिहरी
सेवानिवृत्ति 31.01.2020

श्री गोविन्द सिंह
वरिष्ठ चालक
टिहरी
सेवानिवृत्ति 31.03.2020

"Impossible is only an option"

श्री हर्षवर्धन द्विवेदी
वरिष्ठ तकनीशियन
टिहरी
सेवानिवृत्ति 31.01.2020

श्री हेमंत कुमार नौटियाल
वरिष्ठ प्रारूपकार
टिहरी
सेवानिवृत्ति 31.05.2020

श्री प्रीतम सिंह
आपरेटर (का. एवं प्रशा.)
टिहरी
सेवानिवृत्ति 30.04.2020

श्री साउद खान
वरिष्ठ चालक (का. एवं प्रशा.)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति 31.05.2020

श्री भगवती प्रसाद चन्दोला
वरिष्ठ सहायक
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति 31.03.2020

श्री राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
हेल्पर
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति 29.02.2020

श्री सुरेश प्रसाद
वरिष्ठ चालक (प्रशासन)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति 31.03.2020

श्रीमती कृष्णा देवी
परिचारक (बीसीएम)
टिहरी
सेवानिवृत्ति 31.03.2020

श्री लाल जी यादव
वरिष्ठ कार्य सहायक
टिहरी
सेवानिवृत्ति 30.04.2020

श्री विक्रम सिंह
वरिष्ठ आपरेटर
टिहरी
सेवानिवृत्ति 31.05.2020

श्री विरेन्द्र दत्त चमोली
वरिष्ठ विद्युतकार
टिहरी
सेवानिवृत्ति 30.04.2020

श्री कलम सिंह
चौकीदार प्रशासन विभाग
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति 31.05.2020

श्री जगन्नाथ
वरिष्ठ चालक
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति 31.03.2020

श्री किशोरी लाल भारद्वाज
हेल्पर (यांत्रिक)
टिहरी
सेवानिवृत्ति 31.01.2020

श्री गुमान सिंह
परिचारक
टिहरी
सेवानिवृत्ति 30.04.2020

श्री राजेन्द्र प्रसाद डोभाल
वरिष्ठ कार्य सहायक
टिहरी
सेवानिवृत्ति 31.05.2020

श्री राम सिंह भंडारी
वरिष्ठ कार्य सहायक
टिहरी
सेवानिवृत्ति 30.04.2020

श्री धन सिंह
हेल्पर (का. एवं प्रशा.)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति 30.06.2020

श्री विजय कुमार
सफाई कर्मचारी
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति 31.05.2020

श्री नंदी प्रसाद थपलियाल
प्रारूपकार (सिविल)
कौशाम्बी
सेवानिवृत्ति 31.01.2020

श्री चन्द्रपाल सिंह
हेल्पर (यांत्रिक)
टिहरी
सेवानिवृत्ति 31.03.2020

श्री बलवीर सिंह
परिचारक (चिकित्सालय)
टिहरी
सेवानिवृत्ति 31.05.2020

"शोक संवेदना"

टीएचडीसीआईएल में कार्यरत अधिकारियों व कर्मचारियों के आकस्मिक निधन पर निगम उनकी आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि अर्पित करता है तथा ईश्वर से प्रार्थना करता है कि उनके परिवारजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

श्री राकेश कुमार,
हेल्पर (कार्मिक एवं प्रशासन), ऋषिकेश
निधन– 06.01.2020

श्री पुरूषोत्तम दत्त,
परिचारक, देहरादून
निधन– 28.01.2020

श्री राजीव रत्न गर्ग,
उप प्रबन्धक, वित्त एवं लेखा, टिहरी
निधन– 05.03.2020

श्री ध्यान सिंह रावत,
तकनीशियन, सर्विसेज विभाग, ऋषिकेश
निधन– 12.03.2020

श्रीमती सुनीता बाली,
स्टाफ नर्स, टीएचडीसी अस्पताल (का एवं प्रशासन), टिहरी
निधन– 11.04.2020

श्री महावीर प्रसाद बिजल्वाण,
परिचारक, कोटेश्वर परियोजना
निधन– 21.05.2020

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

(श्रेणी–क मिनी रत्न, सरकारी उपक्रम)
(Schedule-A Mini Ratna, Government PSU)

AUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE HALF YEAR ENDED MARCH 2020

[under Regulation 52 (8), read with Regulation 52 (4) , of the SEBI (LODR) Regulation , 2015]

₹(in Lakh)

Sl. No.	Particulars	Current Half Year ended 31.03.2020 (Audited)	Previous Half Year Ended 31.03.2019 (Audited)
1	Total Income from operations	119949	131220
2	Net profit / (loss) for the period (before Tax, Exceptional and /or Extraordinary items#)	52749	52131
3	Net profit / (loss) for the period before Tax (after Exceptional and /or Extraordinary items#)	52749	52131
4	Net profit / (loss) for the period after Tax (after Exceptional and /or Extraordinary items#)	46425	41848
5	Total comprehensive Income for the period [Comprising Profit/(Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	44932	41039
6	Paid up Equity Share Capital	366588	365488
7	Reserves (excluding Revaluation Reserve)	586659	511906
8	Net Worth	953247	877394
9	Paid Up Debt Capital / Outstanding Debt	455773	319638
10	Outstanding Redeemable Preference Shares	0	0
11	Debt Equity Ratio	0.48	0.36
12	Earnings Per Share (of Rs 1000/- each) (for continuing and discontinued operations)-		
	1. Basic	126.64	114.62
	2. Diluted	126.64	114.62
13	Capital Redemption Reserve	0.00	0.00
14	Debenture Redemption Reserve	3900.00	4500.00
15	Debt Service Coverage Ratio	1.92	1.58
16	Interest Service Coverage Ratio	2.91	4.55

Notes:

Above results have been approved by the Board of Directors at their meeting held on 24.06.2020

Notes:

Financial results of the company have been prepared in accordance with Accounting standard (IND AS) notified under Companies Act 2013.

a) For the items referred in sub-clauses (a), (b), (d) and (e) of the Regulation 52 (4) of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, the pertinent disclosures have been made to the Stock Exchange(s) (NSE and BSE).

b) # - Exceptional and/or Extraordinary items adjusted in the Statement of Profit and Loss in accordance with Ind AS Rules / AS Rules, whichever is applicable.

c) Financial results for the previous half year ended 31.03.2019 are based on restated financial results disclosed in FY 2019-20.

Place : Rishikesh

Date : 26.06.2020

For and on Behalf of THDCIL

Shri D.V. Singh
(Chairman and Managing Director)

RNI No. F-2(G-10) PRESS/91

THDCIL IN NEWS

THDC bonds issue 10 times oversubscribed

Lucknow: The bidding for corporate bonds by state-run power major THDC India Ltd (THDCIL) on Wednesday witnessed an oversubscription of more than 10 times of base issue size.

THDCIL issued the corporate bonds series-III, amounting to Rs 800 crore with base issue size of Rs 300 crore and green shoe option of Rs 500 crore and received bids for Rs 3,089 crore, said AN Tripathi, general manager (CC) in a press release. The success of the issue is significant considering the current pandemic situation which has affected the economy, he pointed out.

THDCIL's chairman and managing director (CMD), DV Singh said that the oversubscription showed investor confidence on the company's performance and growth prospects. TNN

सलाम...! हमें आप पर नाज है टीएचडीसी

● महामारी में प्रबंधन ने जनहित में लिया बड़ा फैसला ● अधिकारी व कर्मचारी एक दिन का मूल वेतन करेंगे दान

शाह टाइम्स संवाददाता

ऋषिकेश। देश में महामारी के वक्त सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत टीएचडीसीआईएल प्रबंधन ने बड़ा फैसला लिया है। कंपनी के तमाम अधिकारियों और कर्मचारी एक दिन का वेतन 'पीएम केयर फंड' में दान करने जा रहे हैं। कंपनी के इस कदम की लोगों ने जमकर तारिफ की है।

कोविड-19 संक्रमण से देश की जनता को बचाने और लॉकडाउन के समय में स्वास्थ्य समेत अन्य सेवाओं को बेहतर करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार जुटी है, जिसमें सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड भी योगदान देने जा रही है। कंपनी में 1800 से ज्यादा अधिकारी व कर्मचारी कार्यरत हैं। महामारी के इस समय में कॉरपोरेशन के प्रबंधन ने सभी का एक दिन का मूल वेतन पीएम केयर फंड में दान करने का निर्णय लिया है।

टीएचडीसी के इस कदम की राज्य के लोग जमकर तारिफ कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी कारपोशन की इस मदद की खूब प्रशंसा की जा रही है। कारपोरेशन के उपमहाप्रबंधक (कारपोरेट संचार) डा. एएन त्रिपाठी ने कहा कि देश इस वक्त महामारी से जूझ रहा है। इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार को जितनी भी मदद की जा सके वह कम है। उन्होंने कहा कि यह महज एक छोटा-सा योगदान है। बताया कि प्रबंधन ने विचार-विमर्श के बाद यह फैसला लिया है।

THDC raises corp bonds of ₹800cr through e-bidding

Dehradun: Rishikesh-based power PSU, THDC India Limited (THDCIL), has raised corporate bonds amounting to Rs 800 crore through the Bombay Stock Exchange (BSE). The company's officials said that "the bidding saw over-subscription of more than 10 times of base issue size." DV Singh, CMD, THDCIL, said that the success of the issue is significant considering the current pandemic situation which has affected the economy. "This shows the confidence of the investors in company's performance and growth prospects." he added. TNN

RECRUITMENT INFORMATION

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

(श्रेणी–क, मिनी रत्न, सरकारी उपक्रम)
(SCHEDULE - A, Mini Ratna, Government PSU)

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, के नाम से प्रकाशित फर्जी विज्ञापनों / नियुक्ति पत्रों के संबंध में सूचना।

सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड भारत सरकार के नियंत्रण में सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है, जिसका केन्द्रीय कार्यालय, ऋषिकेश में स्थित है। कॉरपोरेशन के सभी कार्यालयों व परियोजनाओं में भर्ती संबंधित सभी प्रक्रियाएं कार्मिक–भर्ती विभाग, ऋषिकेश से संचालित की जाती हैं। भर्ती से संबंधित किसी भी जानकारी का उपर्युक्त माध्यम टीएचडीसी की वेबसाईट **www.thdc.co.in** Career Section है। यह संज्ञान में आया है कि अनैतिक ऐजेंसियों / व्यक्ति / समूहों द्वारा फर्जी दस्तावेज बनाकर टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड का लोगो (Logo) प्रयोग करके उस पर ट्रेड, रिक्त स्थान व सेलरी आदि का उल्लेख कर खुर्जा थर्मल पॉवर प्लांट हेतु नियुक्ति पत्र जारी किये जा रहे हैं। यह स्पष्ट किया जाता है कि टीएचडीसी ऐसे फर्जी और भ्रामक विज्ञापनों / नियुक्ति पत्रों की जिम्मेदारी नहीं लेती है। इस तरह के भ्रामक विज्ञापनों से सावधानी बरतने के लिए हमारी उक्त **Website** में पहले से ही सूचना उपलब्ध है। भर्ती से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की जानकारी एवं स्पष्टीकरण हेतु निम्नलिखित दूरभाष नं. में संपर्क किया जा सकता है:–

संपर्क सूत्र: महाप्रबंधक (परियोजना), खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट (खुर्जा), **दूरभाष:** 05738–233332, उपमहाप्रबंधक (कार्मिक–भर्ती), **टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड** **दूरभाष:**0135–2473504 / 2473572 / 2473567, गंगा भवन, प्रगतिपुरम बाईपास रोड, ऋषिकेश–249201, उत्तराखण्ड

पंजीकृत कार्यालय: भागीरथी भवन, (टॉप टेरेस) भागीरथीपुरम, टिहरी गढ़वाल–249 001
सीआईएन: U45203UR1988GOI009822

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

(श्रेणी–क मिनी रत्न, सरकारी उपक्रम)
(Schedule-A Mini Ratna, Government PSU)

(Advt. No. 01/2020)

Unearth your potential in aspiring global player in power sector

THDC India Limited, is a leading power sector and profit making schedule "A" MINI Ratna PSU under Ministry of Power, Govt. of India.

THDCIL is offering exciting career opportunities for promising, bright, committed, energetic, young Professionals to join THDCIL family as **EXECUTIVE TRAINEE** in **Personnel & Public Relations Disciplines.**

Eligible candidates will have to appear for **UGC-NET June Examination 2020** and also make application to THDCIL.

Please log into **http://cbsenet.nic.in** for detailed notification and eligibility condition to appear in UGC-NET Exam.

Interested candidates may log on to our website **www.thdc.co.in** & visit recruitment section for detailed advertisement in respect of eligibility criteria, selection process and other information regarding applying for UGC-NET June 2020 exam.

Generating Power...Transmitting Prosperity...

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

डॉ. ए.एन. त्रिपाठी, उप महाप्रबंधक (कार्मिक–नीति, भर्ती व जनसंपर्क) द्वारा टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के लिए गंगा भवन, प्रगतिपुरम, बाईपास रोड़, ऋषिकेश–249201 (उत्तराखंड) से प्रकाशित
फोनः 0135–2473504, वेबसाइटः www.thdc.co.in ईमेलः prthdcil@gmail.com & hj.thdc@gmail.com
गृह पत्रिका में प्रकाशित लेखों / रचनाओं में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के अपने हैं और उनसे टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड प्रबंधन का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
(निःशुल्क आंतरिक वितरण के लिए)

Follow us:- @THDCIL 24×7 | @THDCIL_MOP | @THDCIL | @THDCIL India Limited - Official